E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 55 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, सोमवार 07 सितंबर, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

निकाय चुनावः भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में सीएम भजनलाल शर्मा ने अजमेर में किया रोड शो, लोगों में दिखा उत्साह

थिंक राजस्थान

अजमेर। आगामी निकाय चुनावों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अजमेर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही। आईएएनएस से बातचीत करते हुए एक महिला कार्यकर्ता अनुश्री ने कहा, 'मुख्यमंत्री के रोड शो के लिए हम लोग काफी उत्साहित हैं। सीएम के रोड शो के लिए जयपुर और जोधपुर से भी लोगों की मौजूदगी है। हम लोग रोड शो में हिस्सा लेने के लिए आए हैं। अजमेर भाजपा गढ़ है, अब की बार हम और मजबूती के साथ भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे।' जयपुर से आई आरती राठौर ने कहा, 'हम लोग अजमेर में मतदान करते हैं, इसलिए जयपुर, जोधपुर और बीकानेर से आए हैं।' बीते दिन 5 सितंबर को भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीलवाड़ा में नगर निगम चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक विशाल रोड शो किया था। दूधधारी गोपाल मंदिर से महाराणा टॉकीज तक आयोजित इस रोड शो को जबरदस्त समर्थन मिला था। मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग और पार्टी कार्यकर्ता रास्ते पर एकजुट हुए। शहर से गुजरते समय कई स्थानों पर लोगों ने मुख्यमंत्री पर फूल बरसाए थे। रोड शो से पहले, मुख्यमंत्री ने राधा-कृष्ण मंदिर और चारभुजा मंदिर में पूजा-अर्चना की और राजस्थान की समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की थी। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल-इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में देश और राजस्थान में विकास के नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस गति को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा था कि आगामी शहरी स्थानीय निकाय चुनाव राजस्थान में विकास की गति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने लोगों से भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की और कहा कि शहरी स्थानीय निकायों में 'ट्रिपल-इंजन सरकार' का गठन राज्य के विकास पथ में एक तीसरा इंजन जोड़ देगा। अजमेर में रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहरवासियों से भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। रोड शो के मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के समर्थन में नारे लगाए और चुनाव को लेकर अपना उत्साह जताया। मुख्यमंत्री के रोड शो को लेकर पार्टी संगठन ने व्यापक तैयारियां की थीं। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि शहरी निकाय चुनाव में पार्टी का संगठन पूरी तरह सक्रिय है और वार्ड स्तर पर मतदाताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। रोड शो के दौरान स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से सामने आए। भाजपा की ओर से सड़क, सफाई, पेयजल, यातायात, जल निकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर अपने विजन को जनता तक पहुंचाया जा रहा है। पार्टी नेताओं ने कहा कि निकायों में मजबूत बोर्ड बनने से विकास योजनाओं को तेजी से लागू करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री के लगातार चुनावी दौरों को भाजपा के प्रचार अभियान के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तकनीकी खराबी के कारण लंदन जाने वाली वर्जिन अटलांटिक की फ्लाइट बेंगलुरु लौटी

थिंक राजस्थान

बेंगलुरु। लंदन जा रही वर्जिन अटलांटिक की एक फ्लाइट, जिसमें करीब 270 यात्री सवार थे, रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण बेंगलुरु लौट आई। यह विमान सुबह केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुआ था। एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद समस्या का पता चला, जिसके बाद क्रू ने विमान को बेंगलुरु वापस मोड़ने से पहले तुमकुर के पास 30 मिनट से ज्यादा समय तक हवा में ही घुमाया।

इसके बाद सुरक्षा के लिहाज से विमान की केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

एयरपोर्ट ऑपरेटर 'बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। तकनीकी खराबी किस तरह की थी, इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। एयरपोर्ट अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि विमान को वापस क्यों लौटना पड़ा। वापस लौटने का फैसला तब लिया गया जब उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद क्रू को समस्या का पता चला।

मृतकों का आंकड़ा 4 पर पहुंचा, 3 की हालत गंभीर, अब तक 11 का रेस्क्यू, बिल्डिंग मालिक पर केस दर्ज

थिंक राजस्थान

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक पांच मंजिला इमारत अचानक ढह गई। दोपहर करीब डेढ़ बजे हुए इस हादसे में अब तक 4 की मौत हो चुकी है, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मरने वालों में एक छात्र, एक मजदूर है। वहीं एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। हादसाग्रस्त इमारत 4 से 5 दशक पुरानी बताई जा रही है। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कमरों में छात्र मौजूद थे। 11 का रेस्क्यू अभी कर लिया गया है। 35-40 लोग अभी भी वहां मौजूद बताए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। जल्द ही FIR दर्ज की जाएगी। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक साथ कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो कि गुरुग्राम (हरियाणा) में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा अलग करने का प्रयास कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लोगों को वहां से बाहर निकाल लिया है। बता दें कि जिस सत्य निकेतन इलाके में यह हादसा हुआ, वहां बड़ी संख्या में दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र रहते हैं।

सत्य निकेतन हादसे से दिल्ली में हड़कंप, अमित शाह ने गोवा कार्यक्रम किया रद्द

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की भयानक घटना सामने आई है। इस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इसके अलावा, उन्होंने अपना गोवा का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। वे आज राज्य के चिम्बेल में भाजपा के नए बने राज्य कार्यालय भवन का उद्घाटन करने वाले थे। इस घटना में अब तक एक व्यक्ति के मारे जाने की खबर मिली है, जबकि तीन अन्य घायल बताए जा रहे हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा, 'दिल्ली के सत्य निकेतन में एक इमारत ढहने से दुख हुआ है। मैंने मुख्यमंत्री, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और एनडीआरएफ के डायरेक्टर जनरल से बात की है। साथ ही जमीनी हालात का जायजा लिया है। स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ मिलकर तेजी से रेस्क्यू कर रहे हैं। घायलों को जरूरी मेडिकल मदद दी जा रही है। मैं सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' इस घटना पर सेंट्रलाइज्ड एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सर्विसेज के नोडल अधिकारी बलराज सिंह का कहना है कि अब तक पांच लोगों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उनकी हालत को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है। इसके बारे में अस्पताल प्रशासन जवाब दे सकता है। यह भी बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 25 से 30 लोगों के हताहत होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, घटनास्थल पर 17 से ज्यादा एंबुलेंस तैनात बताई जा रही हैं। दूसरी तरफ, हादसे पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि यह राजनीति करने या एक-दूसरे पर आरोप लगाने का समय नहीं है। यह राहत एवं बचाव का समय है। उन्होंने बताया कि उनकी टीम रेस्क्यू में लगी हुई है। उनको उम्मीद है कि अभी भी 25 से 26 बच्चे भीतर फंसे हुए हैं।

CM मोहन यादव ने उच्चस्तरीय गतिविधियों और महत्वपूर्ण संवादों में लिया भाग

थिंक राजस्थान

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में अपने चार दिवसीय वैश्विक निवेश एवं व्यापारिक दौरे के प्रथम दिवस की शुरुआत विभिन्न उच्चस्तरीय गतिविधियों और महत्वपूर्ण संवादों के साथ की। इस दौरे का उद्देश्य मध्यप्रदेश को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों तथा दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग के लिए एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। प्रतिनिधिमंडल 7 से 9 सितम्बर 2026 तक आयोजित एआईएम कांग्रेस 2026 में भाग लेकर राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश अवसरों और विकास दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत भारतीय मिशन के अधिकारियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात होटल फॉर्च्यून एट्रियम में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में जितेंद्र वैद्य के नेतृत्व में लगभग 50 प्रवासी भारतीयों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीय समुदाय को राज्य के विकास और वैश्विक ब्रांडिंग में महत्वपूर्ण साझेदार बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ताज दुबई, बिजनेस बे में आयोजित मध्यप्रदेश का ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) एवं भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प, हथकरघा और पारंपरिक कला विरासत को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में राज्य के छह विशिष्ट विरासत उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें बैतूल का बेल मेटल क्राफ्ट, अशोकनगर की चंदेरी साड़ी, खरगोन के महेश्वर की महेश्वरी साड़ी,

उज्जैन का बाटिक प्रिंट, भोपाल की जरी-जरदोजी तथा ग्वालियर कारपेट शामिल हैं। ये उत्पाद मध्यप्रदेश के पारंपरिक कौशल, सांस्कृतिक विविधता और निर्यात क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राज्य सरकार का उद्देश्य इन उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना, अंतर्राष्ट्रीय खरीददारों से जोड़ना तथा कारीगरों के लिए नए आर्थिक अवसर सृजित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल तथा दुबई एवं नॉर्थ अमीरात के भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में यूएई में कार्यरत भारतीय मिशन की भूमिका, निवेश आकर्षण की संभावनाएं तथा मध्यप्रदेश और यूएई के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राजदूत और महावाणिज्य दूत को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में सक्रिय भागीदारी के लिए भी आमंत्रित किया।

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-3 में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मयूर विहार फेस-3 इलाके में रविवार सुबह करीब 5:00 बजे अज्ञात लोगों ने लाठी और डंडों से पीटकर एक युवक की हत्या कर दी। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं। हालांकि, घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है और आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदा लोगों की सूचियों से इसका मिलान किया जा रहा है। गार्ड नंदलाल ने बताया कि वह सुबह करीब 4:00 बजे जब अपने बाथरूम से वापस लौट रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि कुछ युवक एक व्यक्ति को बेरहमी से पीट रहे थे।

सत्य निकेतन हादसे पर दिल्ली CM रेखा गुप्ता का बड़ा बयान, कहा - आरोपियों को नहीं बख्शेंगे

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में बिल्डिंग ढहने के बाद सियासत गरमा गई है। इस हादसे को लेकर अब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा। हादसे के गुनाहगारों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। सीएम ने कहा कि बेसमेंट में खुदाई की वजह से हादसा हुआ है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 11 लोगों को बचाया गया है। मैं अस्पताल जा रही हूं। हमें बचाए गए सभी लोगों की हालत के बारे में जानना होगा। मैं बस इतना कह सकती हूं कि जो भी इसके लिए जिम्मेदार है- चाहे वह बिल्डिंग का मालिक हो या कोई अधिकारी - उसे बख्शा नहीं जाएगा। बिल्डिंग पुरानी थी और उसमें कुछ निर्माण और मरम्मत का काम चल रहा था। बेसमेंट में खुदाई का काम हो रहा था, जिसकी वजह से एक पिलर खिसक गया और पूरी बिल्डिंग ढह गई। सीएम ने कहा कि बिल्डिंग का इस्तेमाल PG के तौर पर हो रहा था और अंदर बच्चे थे। सभी एजेंसियां लगातार काम कर रही हैं। हमारी प्राथमिकता सबसे पहले इन बच्चों की जान बचाना है। बचाव अभियान इसी तरह जारी रहेगा। सभी अधिकारी यहीं मौजूद हैं और किसी भी चीज की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मालूम हो कि, सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने के बाद युद्ध स्तर पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें भारी मलबे को हटाने के लिए घटनास्थल पर काम कर रही हैं। अधिकारियों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, 3 लोगों की मौत हो गई है और छह से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। बता दें, यह हादसा 6 सितंबर 1.30 बजे के करीब हुआ। हॉस्टल डेज नाम का पीजी जिस इमारत में चल रहा था, वह ढह गया। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए बचाव दल सावधानी से मलबा हटाने का काम कर रहे हैं। भारी मशीनरी के साथ एनडीआरएफ और फायर सर्विस के जवान संभावित स्थानों की तलाश कर रहे हैं। मौके पर मौजूद टीमें मलबे की स्थिति और ढही हुई संरचना को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ रही हैं।

नाथद्वारा में मतदान से 3 दिन पहले भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस उम्मीदवार को दिया समर्थन

थिंक राजस्थान

नाथद्वारा। निकाय चुनाव में मतदान से महज तीन दिन पहले वार्ड 23 में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रजापत ने कांग्रेस प्रत्याशी अजय गुर्जर को समर्थन देने का ऐलान किया है। प्रजापत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर समर्थन की वजह भी बताई। दिनेश प्रजापत ने कहा, "मैं जीत भी जाऊंगा तो मेरी सुनवाई नहीं होगी।" उन्होंने कहा कि अजय गुर्जर जनता की समस्याओं को समझने के साथ उन्हें उचित मंच तक पहुंचाकर समाधान के लिए प्रयास करने का दम रखते हैं। हालांकि, प्रजापत ने स्पष्ट किया कि वे भाजपा के हैं और भाजपा में ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि नाथद्वारा विकास मंदिर मंडल और नगर पालिका के संयुक्त प्रयासों से बेहतर तरीके से हो सकता है। प्रजापत ने यह भी कहा कि उन्होंने किसी के दबाव में आकर समर्थन का फैसला नहीं लिया है, बल्कि वे "श्रीजी बावा के प्रभाव में हैं।"

निकाय चुनाव में सीएम के रोड शो पर गहलोत का वार, बोले- उपलब्धि नहीं, नाकामी का संकेत

थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए इसे उपलब्धि के बजाय सरकार की नाकामी का संकेत बताया। गहलोत ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि यह पहली बार हो रहा है जब मुख्यमंत्री को नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगम चुनावों में रोड शो करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ढाई साल में शहरों की हालत खराब हुई है, सड़कें टूटी हैं, सीवरेज व्यवस्था चरमराई हुई है और विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। उनके अनुसार अगर सरकार ने जनता के काम किए होते तो मुख्यमंत्री को रोड शो के जरिए माहौल बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार से ढाई साल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में जनता अपने आसपास के विकास को देखकर मतदान करती है। गहलोत ने अपनी सरकार के 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान 12 लाख पट्टे दिए गए थे, जबकि भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि उसने अब तक कितने पट्टे जारी किए हैं।

अजमेर में सीएम के रोड शो के बाद कांग्रेस ने जारी किया 'ब्लैक पेपर', भाजपा से पूछा- 36 साल में शहर को क्या दिया?

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अजमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो के बाद कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले 36 वर्षों से अजमेर नगर निकाय में भाजपा का बोर्ड और लंबे समय से शहर की दोनों विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक होने के बावजूद शहर की स्थिति बदहाल है। अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार जयपाल ने कहा कि ब्लैक पेपर भाजपा के कथित कुशासन का दस्तावेज है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर अजमेर में बजट तो आया, लेकिन 'सेवन वंडर्स' और 'फूड कोर्ट' जैसी परियोजनाओं को तुड़वाकर सरकारी धन की बर्बादी की गई। मुख्यमंत्री के रोड शो पर भी कांग्रेस ने सवाल उठाए। जयपाल ने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव प्रचार के लिए मुख्यमंत्री को अजमेर आना पड़ा, लेकिन वे कोई जनसभा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि रोड शो में भीड़ जुटाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को बुलाया गया और प्रशासन ने बाजार की दुकानें बंद करवाईं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रैली के दौरान आचार संहिता का हवाला देकर डीजे बंद करवाया गया, जबकि मुख्यमंत्री के रोड शो में चार से अधिक डीजे बज रहे थे। उन्होंने इसे चुनाव आचार संहिता के पालन को लेकर दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के इन्हीं मुद्दों को ब्लैक पेपर में शामिल किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ब्लैक पेपर के जरिए शहर के विकास और नगर निकाय के कामकाज को लेकर जनता के सामने सवाल रखे गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद शहर की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सका। कांग्रेस ने दावा किया कि आगामी निकाय चुनाव में इन्हीं स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से जनता के बीच उठाया जाएगा। जयपाल ने आरोप लगाया कि अजमेर में सड़क, सफाई, जल निकासी, पेयजल और यातायात जैसी समस्याएं अब भी आम लोगों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। उनका कहना था कि विकास योजनाओं और बजट की घोषणाओं के बावजूद जमीन पर अपेक्षित बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। कांग्रेस ने नगर निकाय के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग भी उठाई।

संपादकीय

ईवीएम का दूसरा रेंडमाइजेशन पूरा, अब बूथवार तय हुई मशीनें

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर रविवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में हुई प्रक्रिया में जिले की 11 नगरीय निकायों के लिए आवंटित ईवीएम का बूथवार निर्धारण किया गया। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित रिटर्निंग अधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने कहा कि चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाना निर्वाचन मशीनरी की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता के साथ पूरी की जा रही हैं। रेंडमाइजेशन के बाद ईवीएम के सुरक्षित परिवहन, भंडारण और मतदान केंद्रों तक पहुंचाने के दौरान निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल की पालना की जाएगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर अर्पिता सोनी ने बताया कि द्वितीय रेंडमाइजेशन में चूरू, सरदारशहर, सुजानगढ़, राजगढ़, तारानगर, साहवा, रतननगर, रतनगढ़, राजलदेसर, छापर और बीदासर नगरीय निकायों के लिए ईवीएम का बूथवार आवंटन किया गया। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को ईवीएम की कमिशनिंग और संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ईवीएम को निर्धारित सुरक्षा मानकों के तहत सुरक्षित स्थान पर रखा जाएगा।

जयपुर निकाय चुनाव 2026 : टिकट न मिलने से भड़का माली-सैनी समाज

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान नगर निकाय चुनाव की गहमागहमी के बीच राजधानी जयपुर में भारतीय जनता पार्टी (BJP) और कांग्रेस, दोनों ही प्रमुख दलों के सामने नया सियासी संकट खड़ा हो गया है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व की अनदेखी का आरोप लगाते हुए माली-सैनी समाज ने सिविल लाइंस और किशनपोल विधानसभा क्षेत्रों में निकाय चुनाव के पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया है। समाज के प्रतिनिधियों का दावा है कि इन दोनों क्षेत्रों में समाज के करीब 45 हजार मतदाता हैं, जो इस बार मतदान से दूरी बनाएंगे। समाज ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए आह्वान किया है कि यदि कोई मतदाता बूथ तक जाता भी है, तो वह किसी भी दल को वोट देने के बजाय 'नोटा' (NOTA) का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज कराए। प्रत्येक वार्ड में 10-10 युवा कार्यकर्ताओं की समर्पित टोलियां बनाई गई हैं।

बच्चों को पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश तथा भारतीय संस्कृति के अनुरूप आगे बढ़ाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। किशोर न्याय अधिनियम-2015 के 10 वर्ष पूरे होने पर रविवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम 'चिंतन-एक दशक की पहल' आयोजित हुआ। यह राजस्थान उच्च न्यायालय की किशोर न्याय एवं पॉक्सो समिति द्वारा बाल अधिकारिता विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से 'किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा) अधिनियम 2015 के राजस्थान में क्रियान्वयन का एक दशक तथा भविष्य की दिशा' विषय पर हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि राज्य के विशेष बाल गृहों की कमियों और सुधार कार्यों के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय गंभीर है। इसके तहत उच्च न्यायालय ने सभी अधीक्षकों से उनकी बुनियादी जरूरतों के संबंध में शपथ पत्र (एफिडेविट) मांगे हैं।

वार्ड 20 में कांग्रेस प्रत्याशी मोनिका सैनी का स्वागत, जीत का दिलाया भरोसा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। झोटवाड़ा क्षेत्र के वार्ड 20 में कांग्रेस प्रत्याशी मोनिका सैनी और उनके पति अजय कुमार सैनी का श्रीराम पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वार्डवासियों ने स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे और प्रत्याशी को चुनाव में जीत का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में वार्डवासियों ने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। कांग्रेस प्रत्याशी मोनिका सैनी ने कहा कि यदि उन्हें जनता का समर्थन और जीत मिलती है तो वार्ड में आवश्यक विकास कार्य करवाने के साथ आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह पूर्व पार्षद के कार्यकाल में क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास किए गए, उसी तरह वे भी वार्डवासियों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने का प्रयास करेंगी।

उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता की किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान वार्डवासियों ने मोनिका सैनी और अजय कुमार सैनी का स्वागत करते हुए आगामी नगर निगम चुनाव में समर्थन देने का भरोसा दिलाया।

हिंदुस्तान जिंक की तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को अभूतपूर्व सफलता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर में तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का सफल आयोजन किया। इस वर्ष मैराथन में रिकॉर्ड 9700 से अधिक धावकों ने ऑन-ग्राउंड और वर्चुअल तरीकों से भाग लिया। यह पिछले संस्करण की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक सहभागिता है, जो इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में पहचान बना चुकी इस मैराथन में देश और विदेश से आए प्रतिभागियों ने 21.097 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी श्रेणियों में दौड़ लगाई। इस आयोजन ने पूरे उदयपुर को फिटनेस, उत्साह और सामाजिक उद्देश्य के उत्सव में बदल दिया। 9700 से अधिक धावकों का उदयपुर में एक साथ आना इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में आज से गणेशोत्सव, 16 हजार किलो सामग्री से बनेंगे मोदक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। छोटी काशी जयपुर के प्रसिद्ध मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। भगवान गणपति का नौ दिवसीय उत्सव 7 से 15 सितंबर तक आयोजित होगा। उत्सव का समापन 15 सितंबर को नगर भ्रमण के साथ होगा। नौ दिनों में भव्य झांकियां, पंचामृत अभिषेक, मोदक, फल-सब्जी और फूलों की सजावट, सिंजारा, शास्त्रीय संगीत और कथक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मंदिर महंत कैलाश शर्मा के अनुसार 7 सितंबर को सुबह 9 बजे कलश यात्रा और जलाभिषेक के साथ उत्सव की शुरुआत होगी। 8 सितंबर को पुष्य नक्षत्र पर भगवान गणेश का 348 किलो पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसी दिन केले की विशेष झांकी, छप्पन भोग और शाम को ध्रुपद गायन होगा। 9 सितंबर को मोदकों की भव्य झांकी सजाई जाएगी। इसमें 251-251 किलो के दो विशाल मोदक, 51-51 किलो के पांच, 21-21 किलो के 21 और सवा किलो के 1100 मोदक शामिल होंगे। हजारों छोटे मोदक भी सजाए जाएंगे। इन्हें तैयार करने में करीब 3 हजार किलो घी, 3 हजार किलो बेसन, 9 हजार किलो शक्कर और 1 हजार किलो सूखे मेवों का इस्तेमाल होगा।

श्रद्धालु सुबह 5 बजे से मोदक झांकी के दर्शन कर सकेंगे। शाम को सुगम संगीत व कथक और बाद में निशुल्क प्रसाद वितरण होगा। 10 सितंबर को फलों, 11 सितंबर को सब्जियों और 12 सितंबर को फूलों से गणेश दरबार सजाया जाएगा। इन दिनों शाम को कथक नृत्य की प्रस्तुतियां होंगी। मंदिर में 8 से 12 सितंबर तक ध्रुपद, सुगम संगीत और कथक कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। उत्सव के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ शास्त्रीय कला और संगीत का भी संगम देखने को मिलेगा। बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, प्रसाद वितरण और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निकाय चुनाव में करणी सेना की अपील- 'भाजपा को वोट नहीं देने का आह्वान'

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनाव के बीच राजपूत करणी सेना की अपील से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। करणी सेना सहित कुछ अन्य संगठनों ने मतदाताओं से भाजपा का विरोध करने का आह्वान किया है। संगठनों की ओर से केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी बिल का विरोध किया जा रहा है और इसे वापस लेने की मांग की जा रही है। इसी क्रम में राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने पंचायत एवं निकाय चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने की अपील की है। करणी सेना की इस अपील से निकाय चुनाव में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। संगठन की ओर से यूजीसी बिल को लेकर अपनी आपत्ति जताई जा रही है और इसे वापस लेने की मांग को चुनावी मुद्दे के रूप में सामने रखा जा रहा है।

नन्हे बाल गोपालों की झांकियों ने मोहा मन, आदर्श विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, श्री बहादुर सिंह भानकंवर आदर्श विद्या मंदिर एवं सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों की कृष्ण वेशभूषा, मनमोहक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में आयोजित कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता बच्चों के लिए विशेष आकर्षण रही। बाल कृष्ण के रूप में सजे बच्चों ने मंच पर प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक मंडल में झुंझुनू व्यवस्था विभाग प्रमुख एवं एपीपी पवन सैनी, अरुणा प्रजापत और व्याख्याता भंवरी जाट शामिल रहे। समारोह के मुख्य अतिथि सरदारशहर परिषद, बेंगलुरु के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रणजीत बोथरा रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व जे. शी. स. क्लब अध्यक्ष एवं समाजसेवी पवन डागा तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रबंध समिति अध्यक्ष सुबोध सेठिया रहे। विशेष अतिथियों में सह-व्यवस्थापक एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुभाष सोनगरा, सेवा भारती चूरू के उपाध्यक्ष ईश्वर स्वामी और आदर्श शिक्षण संस्थान चूरू के कार्यालय सचिव महेश शर्मा मौजूद रहे। विद्यालय प्रधानाचार्य रामसिंह शेखावत ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कमलेश सोनी ने मंच संचालन किया। व्यवस्थापक राकेश इंदौरिया एवं अशोक केसरा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

निकाय चुनाव के बीच बीकानेर पहुंचे सीएम भजनलाल शर्मा, अंदरूनी शहर में किया रोड शो

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगर निकाय चुनाव के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को बीकानेर पहुंचे। नाल एयरपोर्ट पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उनकी अगवानी की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा, गजेंद्र सिंह खींवसर, विधायक सिद्धि कुमारी, अंशुमान सिंह, विश्वनाथ मेघवाल, राजेंद्र गहलोत और रामगोपाल सुथारभाटी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री एवं भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह भी बीकानेर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, संपत पारीक, गोपाल गहलोत, सत्यप्रकाश आचार्य सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बीकानेर के अंदरूनी शहर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। रथ पर सवार मुख्यमंत्री ने मार्ग में उमड़ी भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया। जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन ने उनका स्वागत किया। रोड शो के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में *ट्रिपल इंजन की सरकार* बनने वाली है और जनता में भाजपा को लेकर उत्साह है। उन्होंने अपनी सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए दावा किया कि घोषणा पत्र के 78 प्रतिशत काम पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। निकाय चुनाव के बीच मुख्यमंत्री का बीकानेर दौरा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रोड शो के जरिए भाजपा ने प्रत्याशियों के समर्थन में माहौल बनाने और चुनावी शक्ति प्रदर्शन का प्रयास किया।

वार्ड 31 से CA विजय अग्रवाल को भाजपा का टिकट, युवा एवं शिक्षित नेतृत्व को बढ़ावा देने की पहल का स्वागत

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम चुनाव में वार्ड 31 से भारतीय जनता पार्टी द्वारा युवा एवं उच्च शिक्षित व्यक्ति CA विजय अग्रवाल जी को प्रत्याशी बनाए जाने का क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया है। भाजपा के इस निर्णय को युवाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने तथा शिक्षा एवं योग्यता को महत्व देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। लगभग 38 वर्ष की आयु में CA विजय अग्रवाल को टिकट देकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि पार्टी राजनीति में युवा, शिक्षित और सक्षम नेतृत्व को आगे लाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र के लोगों के बीच इस निर्णय को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसे भाजपा की सकारात्मक एवं दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आज के समय में जनप्रतिनिधि का शिक्षित, युवा और अपने क्षेत्र की समस्याओं को समझने वाला होना बेहद आवश्यक है। ऐसे में CA विजय अग्रवाल जैसे शिक्षित युवा को अवसर मिलना वार्ड 31 के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है। भाजपा का यह निर्णय युवाओं को राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में शिक्षा, योग्यता और नए नेतृत्व को बढ़ावा देने वाला कदम है। यही कारण है कि वार्ड 31 में पार्टी के टिकट वितरण को लेकर लोगों में सकारात्मक चर्चा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि युवा और शिक्षित नेतृत्व वार्ड की स्थानीय समस्याओं को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ समझते हुए विकास को नई दिशा प्रदान कर सकता है। वार्ड 31 के लोगों ने भाजपा के इस निर्णय का स्वागत करते हुए CA विजय अग्रवाल जी को शुभकामनाएं दी हैं। टिकट मिलने के बाद CA विजय अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों के प्रति आभार जताते हुए वार्ड के विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। स्थानीय लोगों के बीच भी प्रत्याशी की शैक्षणिक और पेशेवर पृष्ठभूमि को लेकर चर्चा है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

कला और साहित्य के श्रेत्र में नई प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए कमला शंकर फाउंडेशन का गठन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रसिद्ध शिक्षाविद स्वर्गीय प्रोफेसर शंकर प्रसाद शुक्ल की स्मृति में कमला शंकर फाउंडेशन का गठन किया गया। जयपुर में शनिवार को लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया इसमें शिक्षा, साहित्य, कला, लेखन तथा पत्रकारिता श्रेत्र से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष संजीव कुमार शर्मा ने कमला शंकर फाउंडेशन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा, साहित्य एवं कला के श्रेत्र में प्रतिभाशाली लोगो को अवसर देना है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन प्रतिवर्ष साहित्य से जुड़े दो बच्चों को स्कॉलरशिप प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन की मूल भावना उन प्रतिभाशाली एवं रचनात्मक व्यक्तियों को मंच प्रदान करना है, जिनके पास उत्कृष्ट साहित्यिक या कलात्मक प्रतिभा तो है, किंतु आर्थिक संसाधनों के अभाव में वे अपनी रचनाओं को व्यापक समाज तक नहीं पहुँचा पाते। विशेष रूप से ऐसे लेखकों और रचनाकारों की पुस्तकों के प्रकाशन में सहयोग करना फाउंडेशन की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक होगा। कमला शंकर फाउंडेशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि प्रतिभा को अवसर देने और रचनात्मकता को सम्मान देने का एक संकल्प है। इस वर्ष अक्षिणी भटनागर द्वारा लिखित पुस्तक का प्रकाशन किया जाएगा।

फाउंडेशन का विश्वास है कि शिक्षा समाज को दिशा देती है, साहित्य समाज को संवेदना देता है और कला समाज को सुंदरता एवं संस्कृति से जोड़ती है और से एक सशक्त, कमला शंकर फाउंडेशन की स्थापना इसी विचार के साथ एक नई यात्रा का शुभारंभ है। कार्यक्रम के अंत में कमला शंकर फाउंडेशन की उपाध्यक्षा डाआकांक्षा शंकर ने मनोनीत सदस्यों की जानकारी दी। कार्यकारिणी में अफशीन शर्मा, कदंब कबीर, डॉक्टर विनोद , कमल चोटिया जी सम्मिलित हैं। लोकार्पण समारोह में वक्ताओं ने स्वर्गीय प्रोफेसर शंकर प्रसाद शुक्ल के शिक्षा और समाज के क्षेत्र में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके विचारों और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए फाउंडेशन की स्थापना एक सार्थक पहल है। शिक्षा और रचनात्मकता के क्षेत्र में जरूरतमंद प्रतिभाओं को सहयोग मिलने से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

पुलिस अकादमी में जामुन का पेड़ सोमवार को

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। रंग शिल्प नाट्य समिति का चर्चित एवं लोकप्रिय नाटक जामुन का पेड़ सोमवार 7 सितंबर को राजस्थान पुलिस अकादमी शास्त्री नगर में सायं 5.30 बजे मंचित किया जाएगा। रंग शिल्प के सचिव राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि मशहूर अफसाना निगार मरहूम कृष्ण चंद्र की मूल कहानी का नाटक रूपांतरण वरिष्ठ रंग कमी नीरज गोस्वामी और निर्देशन ईश्वर दत्त माथुर द्वारा किया गया है। नाटक के मूल कथानक में लाल फीता शाही पर करारा व्यंग्य किया गया है तथा नाटक के चुटीले संवाद दर्शन को वैचारिक मंथन करने पर बल देते हैं। नाटक में भाग लेने वाले लगभग सत्तर फीसदी रंगकर्मी 70 वर्ष की आयु के हैं। इस नाटक की अब तक 17 प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नाटक की प्रस्तुति में वरिष्ठ रंगकर्मियों की भागीदारी इसकी खास विशेषता है। उम्रदराज कलाकारों का मंच पर सक्रिय रहना रंगमंच के प्रति उनके समर्पण और अभिनय के लंबे अनुभव को दर्शाता है। कलाकारों ने नाटक की प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए नियमित अभ्यास किया है।

सोमनाथ महादेव का वार्षिक मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। बड़ी संख्या में लोगों ने सोमनाथ महादेव के दर्शन किए और सुख समृद्धि की कामना की। दिनभर मेले में पूजा-अर्चना और प्रसादी वितरण का दौर जारी रहा। मंदिर के बाहर फूल, प्रसाद, अगरबत्ती और खिलौने की दुकानों पर ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र सोमनाथ महादेव का वार्षिक मेला रविवार को आयोजित हुआ। मेले के दौरान सुबह विशेष महाआरती की गईभीड़ रही। इससे पूर्व शनिवार रात बाबा सोमनाथ की भव्य फूल बंगला झांकी सजाई गूई। मंदिर परिसर में भगवान शिव का रंग-बिरंगे सुगंधित देशी-विदेशी फूलों से भव्य 'फूल बंगला' सजाया गया। झांकी के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।सोमनाथ मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जैमन ने बताया कि समिति और प्रशासन की ओर से भीड़ में व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, सुगम दर्शन तथा पेयजल के पुख्ता इंतजाम किए गए।

विधायक ललित यादव ने लाइब्रेरी का दिया आश्वासन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

मुंडावर। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिरयानी में रविवार को विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत उद्घाटन मुंडावर विधायक ललित यादव द्वारा किया गया। विधायक ने अम्बेडकर भवन में नवनिर्मित हॉल एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य तथा राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में ट्रैक निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामवासियों ने गांव में लाइब्रेरी निर्माण करवाने की मांग विधायक के समक्ष रखी। ग्रामीणों की मांग पर विधायक ललित यादव ने आश्वासन दिया कि गांव में जल्द ही लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। लाइब्रेरी बनने से गांव के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सहित अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों का सिलसिला लगातार जारी है और गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ शिक्षा, खेल एवं सामाजिक विकास से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। चाहें तो इसे मैं अखबार में छपने वाली और ज्यादा प्रभावशाली समाचार शैली में भी बना सकता हूँ।

क्राइम सीन खंगाला, साक्ष्य जुटाए और सुलझाया रहस्यमयी केस

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। सरदारपुरा स्थित बीएम लॉ कॉलेज में शनिवार को पहली बार क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न सेमेस्टर की चयनित छह टीमों ने भाग लेकर काल्पनिक अपराध की जांच करते हुए अपने जांच कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम संयोजक एवं सहायक प्रोफेसर स्नेहा पुरोहित ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के सामने एक रहस्यमयी काल्पनिक क्राइम केस रखा गया। विद्यार्थियों को जांच अधिकारी की भूमिका निभाते हुए घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करना था। टीमों ने क्राइम सीन से महत्वपूर्ण साक्ष्यों की पहचान की तथा उनका वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण और विश्लेषण किया। इसके बाद प्रत्येक टीम ने अपनी जांच की प्रक्रिया और निष्कर्ष ज्यूरी के समक्ष प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला और उपस्थित लोगों ने आयोजन की अभिनव अवधारणा की सराहना की।

डीग में 'ऑपरेशन प्रहार': 51 किलो गांजा जब्त, बैरिकेडिंग तोड़कर भाग रहे 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डीग। जिले में आगामी नगर निकाय चुनावों और उत्तर प्रदेश सीमा से सटे होने के कारण संदिग्ध व आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत डीग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ के. के निर्देशन में थाना कोतवाली डीग और जिला डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 51.120 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त दो लग्जरी कारें और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर भागे तस्कर, मालीपुरा मोड़ पर घेराबंदी कर दबोचा गश्त एवं सघन चेकिंग के दौरान डीएसटी टीम प्रभारी अमर सिंह उप-निरीक्षक को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि गोवर्धन (उत्तर प्रदेश) की तरफ से दो गाड़ियों में भारी मात्रा में गांजा लेकर बहज होकर डीग की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर बहज चौकी पर नाकाबंदी कर गाड़ियों को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन तस्कर पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर तेज रफ्तार में डीग की ओर भाग निकले। डीएसटी प्रभारी ने तत्काल इसकी सूचना एसपी कंट्रोल रूम और थानाधिकारी कोतवाली डीग हीरालाल को दी। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

रोडशो के बहाने ही सही, मुख्यमंत्री को कम से कम प्रदेश के गड्ढों और कीचड़ का पता तो चल रहा है

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की बदहाल सड़कों, जर्जर सरकारी भवनों और प्रशासनिक संवेदनहीनता को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। जूली ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह बेहद दिलचस्प है कि मुख्यमंत्री जी को कम से कम रोडशो के बहाने ही सही, प्रदेश के गली-मोहल्लों के गड्ढों और कीचड़ भरे हालातों का पता तो चल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में भीलवाड़ा में हुए रोडशो की विशेष चर्चाएं हो रही हैं, जहाँ मुख्यमंत्री की गाड़ी के ठीक सामने गड्ढे ही गड्ढे नज़र आ रहे थे और जरा सी बारिश ने सरकार के तथाकथित विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी; कमोबेश यही शर्मनाक हालात आज पूरे प्रदेश में बने हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के हालातों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अलवर ने प्रदेश और केंद्र दोनों जगह मंत्री दिए, लेकिन इन दोनों मंत्रियों ने विकास के नाम पर केवल अलवर की जनता के साथ धोखा किया है। जूली ने जनसुरक्षा के प्रति सरकार की घोर लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि कामां (डीग) में सरकारी विद्यालय की छत गिरना सरकार और प्रशासन की एक और संवेदनहीनता और बदहाल व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है। आज पूरे प्रदेश में जर्जर सरकारी भवनों का अंबार लगा हुआ है और चिंताजनक बात यह है कि सरकार इन्हीं खतरनाक भवनों को मतदान केंद्र बना रही है, जो सीधी तौर पर जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सीधा सवाल दागा कि आखिर सरकार क्यों प्रदेश की जनता को मौत के मुंह में धकेल रही है? सरकार यह स्पष्ट करे कि जिन भवनों की छत खुद सुरक्षित नहीं है, वहां मतदान करने जाने वाले मतदाताओं की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा? क्या चुनाव केवल कागजों में ही "भयमुक्त" कराया जाएगा, या मतदान से पहले इन जर्जर भवनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी? नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश के मतदाताओं से भावुक और मुखर अपील करते हुए कहा कि इस बार जब भी जनता वोट देने के लिए घर से निकले, तो रास्ते में मिलने वाले सड़कों के गड्ढों, उफनते सीवर, फैले कीचड़ और जलभराव को नमस्कार करके वोट डालने जाए।

नगर निकाय चुनाव को लेकर भांडारेज में पुलिस का फ्लैग मार्च

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। आगामी 9 सितम्बर को होने वाले नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर भांडारेज में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन एवं मतदाताओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से एएसपी शंकर लाल मीणा के नेतृत्व में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस टीम द्वारा भांडारेज के मुख्य बाजार, होलीपाड़ा, भंडाना दरवाजा, खेडली दरवाजा, मीना दरवाजा, बावड़ी दरवाजा, लालासर रोड एवं बाग की ढाणी सहित विभिन्न प्रमुख एवं संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया।

फ्लैग मार्च के दौरान आमजन को शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान का संदेश दिया गया तथा विश्वास दिलाया गया कि चुनाव के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दौसा पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का आज रविवार को ज्ञानपीठ की पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण किया गया। इस दिव्य प्रतीक में भारतीय ज्ञान-परम्परा, अनुसंधान और मानवीय उत्कर्ष का दृश्य-संकल्प दर्शाया गया है। लोकार्पण ज्ञानपीठ के कार्यकारी अध्यक्ष हरि प्रसाद शर्मा, विक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बसोतिया, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा,परमेश्वर शर्मा और नरेंद्र हर्ष ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं ज्ञानपीठ संचालन समिति सचिव सतीश शर्मा, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक,राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, सोशल मीडिया राष्ट्रीय प्रभारी राहुल पांडे, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण अवतार त्रिवेदी, जोन के प्रदेश महामंत्री गजेंद्र ज्ञानपुरिया, सुशील शर्मा पीरनगर, जयपुर शहर अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, बसंत शर्मा सहित विप्र फाउंडेशन से जुड़े अनेक पदाधिकारी एवं ज्ञानपीठ छात्रावास की बालिकाएं मौजूद थीं। सतीश शर्मा ने बताया कि इस दिव्य प्रतीक चिन्ह की खुले ग्रंथ से प्रवाहित होती ज्ञान-रेखाएं निरंतर ज्ञान-सृजन का संदेश देती हैं, जबकि उदीयमान सूर्य की आभा तप, संस्कार, ऊर्जा और अनंत संभावनाओं का प्रतीक है। प्रतीक का ज्ञान-चक्षु जाग्रत चेतना, अंतर्दृष्टि और विवेक का बोध कराता है—जिज्ञासा से ज्ञान, ज्ञान से विवेक और विवेक से प्रज्ञा की आरोहण-यात्रा का प्रतीक। प्रतीक चिन्ह के स्लोगन में "तेजस्वि नावधीतमस्तु"— का भावार्थ है कि हमारा अध्ययन किया हुआ ज्ञान तेजस्वी और दीप्तिमान हो—यही ज्ञानपीठ का मूल संकल्प है। वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानपीठ की स्थापना के उद्देश्यों और अब तक की गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शोध, शिक्षा और संस्कारों से जोड़ते हुए नई पीढ़ी को आगे बढ़ाना ज्ञानपीठ की प्राथमिकता है।

मोती डूंगरी गणेश जन्मोत्सव 14 सितंबर को, 7 से 15 सितंबर तक होंगे विविध धार्मिक आयोजन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर के प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान श्रीगणेशजी महाराज का जन्मोत्सव इस वर्ष गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर 14 सितंबर 2026, सोमवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। गणेश जन्मोत्सव को लेकर मंदिर प्रन्यास की ओर से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जन्मोत्सव महोत्सव का आयोजन 7 सितंबर से शुरू होकर 15 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान मंदिर परिसर में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, विशेष झांकियां, अभिषेक, भोग, पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जन्मोत्सव महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी मंदिर प्रन्यास, मंदिर श्री गणेशजी, मोती डूंगरी की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई। गणेश जन्मोत्सव महोत्सव की शुरुआत 7 सितंबर, सोमवार को सुबह 9 बजे कलश यात्रा एवं जलाभिषेक के साथ होगी। धार्मिक परंपराओं के अनुसार कलश यात्रा के बाद भगवान श्रीगणेशजी महाराज का जलाभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में नौ दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ होगा। महोत्सव के दौरान मंदिर में भगवान गणेशजी के विभिन्न स्वरूपों और भोगों पर आधारित आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। 8 सितंबर, मंगलवार को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर सुबह 8 बजे भगवान श्रीगणेशजी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। इस दिन शाम 6 बजे विशेष केले की झांकी सजाई जाएगी। इसके साथ ही ध्रुपद गायन की प्रस्तुति होगी और छप्पन भोग की झांकी भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मंदिर में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। 9 सितंबर, बुधवार को सुबह 5 बजे मोदकों की विशेष झांकी सजाई जाएगी। भगवान गणेशजी को मोदक प्रिय होने के कारण इस झांकी का विशेष धार्मिक महत्व रहेगा।

मतदाता जागरूकता के लिए अमर जवान ज्योति से जलमहल तक निकली साइकिल रैली

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय जयपुर एवं राजस्थान रोड़ राइडर्स साईकलिंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 'स्वीप' (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) कार्यक्रम के तहत अमर जवान ज्योति जनपथ एसएमएस स्टेडियम से जलमहल तक मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की गई। रैली को अमर जवान ज्योति से स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी एवं सीईओ जिला परिषद् शुभम भैंसारे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं ने भी साईकलिंग कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिस प्रकार स्वास्थ्य के लिए साईकलिंग करना आवश्यक है उसी प्रकार स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान अतिमहत्त्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में 09 सितंबर बुधवार को 2 नगरपरिषद् एवं 16 नगरपालिकाओं के 540 वार्डों के वहीं 11 सितंबर शुक्रवार को जयपुर नगर निगम के कुल 150 वार्डों के लिए प्रातः 7:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक मतदान होगा।

समय रैना और शेरोन वर्मा के 'बिहारी-कश्मीरी' जोक्स पर कैलाश खेर ने जताई नाराजगी, बोले- 'तमीज में रहना चाहिए'

सिंगर कैलाश खेर ने स्टैंड-अप कॉमेडी शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में बिहार और कश्मीर से जुड़े जोक्स को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच लोगों से जागरूकता और तहजीब बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों से चैतन्य और तमीज रहने की अपील की है। कैलाश खेर का ये एक्शन इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2 में समय रैना और कॉमेडियन शेरोन वर्मा के बीच हुई बातचीत की आलोचना के बीच आई है। इस शो में बिहार और कश्मीर से जुड़े मजाकों की वजह से राजनीतिक चर्चा भी हुई है। पहले सीजन की कंटेस्टेंट रह चुकीं शेरोन वर्मा, समय रैना, ओरी, निशांत सूरी और अर्चना पूरन सिंह के साथ पैनलिस्ट के तौर पर इस एपिसोड में शामिल हुई थीं। ANI से बात करते हुए, कैलाश खेर से कॉमेडियन द्वारा कश्मीरी पंडितों और बिहारियों से जुड़े बयानों का मजाक उड़ाने और सोशल मीडिया पर स्टैंड-अप कॉमेडी को लेकर चल रही बड़ी बहस के बारे में पूछा गया। कैलाश खेर ने मशहूर होने तक के अपने सफर के बारे में भी बात

की और कहा कि उन्होंने हमेशा तमीज से पेश आने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा तमीज से पेश आया हूं साथ ही यह भी माना कि लोकप्रियता के साथ आलोचना, जलन और दुश्मनी भी मिल सकती है। आलोचक होंगे, नफरत करने वाले होंगे, जलने वाले लोग भी होंगे। तब आपको एहसास होगा कि आप कितनी दूर आ गए हैं।' इस एपिसोड के क्लिप्स वायरल होने के बाद ANI से बात करते हुए, शिवसेना नेता आनंद दुबे ने समय रैना की कॉमेडी की आलोचना की और कहा कि कॉमेडियन को अपने एक्ट में जाति, राज्य या धर्म को शामिल करने से बचना चाहिए। एपिसोड के दौरान, समय रैना ने शेरोन वर्मा के बिहारी मूल और काम के लिए पलायन से जुड़ी रूढ़िवादी सोच का मजाक उड़ाया था। शेरोन वर्मा ने जवाब में समय की कश्मीरी पहचान और नशा करने पर मजाक किया और यह भी कहा कि उन्होंने कम से कम अपनी मर्जी से अपना राज्य छोड़ा था। यह बातचीत आपसी मजाक-मस्ती जैसी लग रही थी, जिसमें दोनों कॉमेडियन मजाक करते थे। हालांकि, दोनों ने अपने अभी तक इस विवाद पर कोई बात नहीं की है। इस एपिसोड के दौरान अर्चना पूरन सिंह के बच्चों और पति को भी रोस्ट किया गया था। विवाद बढ़ने के बाद सोशल मीडिया पर भी स्टैंड-अप कॉमेडी की सीमाओं को लेकर बहस तेज हो गई है। एक पक्ष का कहना है कि कॉमेडी में व्यंग्य और व्यक्तिगत मजाक की गुंजाइश होनी चाहिए, जबकि दूसरे पक्ष के अनुसार जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदाय से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को मजाक का विषय बनाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। वायरल क्लिप्स के आधार पर दर्शक अलग-अलग तरह से अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कैलाश खेर की अपील को इसी व्यापक बहस के बीच देखा जा रहा है। उन्होंने अपने बयान में सीधे तौर पर किसी कलाकार या शो पर टिप्पणी करने के बजाय जागरूकता और तहजीब के साथ व्यवहार करने पर जोर दिया।

मनोरंजन समाचार

फराह खान के बच्चे पढ़ाई के लिए गए विदेश, इमोशनल हुईं डायरेक्टर, बोलीं- 'मेरे दिल के तीन टुकड़े'

बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने हाल ही में अपने परिवार की जिंदगी के एक अहम पड़ाव के बारे में एक इमोशनल अपडेट शेयर किया। उन्होंने बताया कि उनके तीनों बच्चे अपनी पढ़ाई के लिए विदेश चले गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर परिवार की कुछ तस्वीरें शेयर करके फैंस को उस इमोशनल विदाई की झलक भी दिखाई। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए बताया कि उनके तीनों बच्चे - दिवा, अन्या और जार पढ़ाई के लिए विदेश चले गए हैं। फराह ने रविवार, 6 सितंबर 2026 को इंस्टाग्राम पर अपने बच्चों की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वे अलग-अलग शहरों में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करते दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने बताया कि उन तीनों को अलविदा कहना कितना मुश्किल था। इस इमोशनल पोस्ट को शेयर करते हुए फराह ने बताया कि अपने बच्चों को कॉलेज के लिए घर से जाते देखना कितना मुश्किल था। 'तीस मार खान' की डायरेक्टर फराह ने अपने पति-फिल्ममेकर शिरीष कुंदर पर मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए अपना सिग्नेचर ह्यूमर भी दिखाया। उन्होंने कहा कि शिरीष ने हर चीज में मदद तो की, लेकिन परिवार की एक जरूरी जिम्मेदारी तस्वीरों के लिए पोज देना वे शायद भूल गए। उन्होंने लिखा, 'अगर आपको लगता था कि अपने बच्चे को कॉलेज भेजना मुश्किल है तो इसे 3 बार करके देखिए! 3 शहर, 3 कैंपस 3 बार अलविदा कहना! मेरे दिल के 3 टुकड़े... जाओ, अपनी जिंदगी जियो, लेकिन याद रखना, सभी रास्ते वापस मम्मी-पापा के पास ही आते हैं और @shirishkunder का भी शुक्रिया, जिन्होंने फैमिली फोटो में आने के अलावा बाकी सब कुछ किया।'

'मत करो', बिपाशा बसु को मिली थी 'जिस्म' न करने की चेतावनी, बोलीं- सबने कहा करियर खत्म हो जाएगा

बिपाशा बसु एक समय पर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाती थीं। हालांकि, शादी और बेटी देवी के जन्म के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूरी बना ली। फिलहाल बिपाशा अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने पर फोकस कर रही हैं। बिपाशा ने 2001 में 'अजनबी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं साल 2003 में रिलीज हुई 'जिस्म' में उन्होंने एक इरोटिक रोल निभाकर सबको हैरान कर दिया। अब बिपाशा ने बताया कि कैसे जब उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी, उन्हें सबने चेतावनी दी थी कि इस तरह का किरदार उनका करियर खत्म कर सकता है। बिपाशा बसु ने Elle India से बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' करने का फैसला किया, तो उन्हें पता था कि वह बहुत बड़ा रिस्क ले रही हैं। बिपाशा के अनुसार, उस समय इंडस्ट्री में कई लोगों ने उन्हें ये फिल्म नहीं करने की सलाह दी, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि बोल्ड सीन करना उनके करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। लेकिन, बिपाशा उनकी बातों से सहमत नहीं थीं और उन्होंने ये फिल्म करने का फैसला किया। इस फिल्म में बिपाशा बसु के साथ जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। बिपाशा कहती हैं- 'इंडस्ट्री में हर किसी ने मुझसे कहा कि 'यह फिल्म (जिस्म) मत करो।' उनका कहना था कि अगर मैं ऐसी फिल्म करूंगी, जिसमें थोड़ा भी इरोटिका है, तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मगर मेरे लिए ये बस एक एडल्ट लव स्टोरी थी और मुझे इसमें कोई परेशानी नहीं थी। मेरा मानना था कि मैं भी एडल्ट हूं और ये सिर्फ एक एडल्ट लव स्टोरी है। इसे एडल्ट फिल्म के तौर पर ही बनाया गया है और ये बच्चों के लिए नहीं है। मुझे पता था कि ये किस तरह की फिल्म है और मैंने क्या साइन किया है। इस फिल्म में सोनिया के किरदार के जरिए मुझे अलग-अलग शेड्स को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जो मुझे पसंद आया।'

हार्दिक पांड्या संग वायरल हुआ वीडियो, क्रिकेटर संग नाम जुड़ने पर तिलमिलाईं अमीषा पटेल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल को हाल ही में मुंबई के ताज पैलेस होटल में स्पॉट किया गया, जहां स्टार क्रिकेटर हार्दिक पांड्या भी मौजूद थे। इस दौरान अमीषा और हार्दिक आपस में बातचीत करते दिखे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर उनकी वायरल हो गया। वीडियो में अमीषा, हार्दिक पांड्या को अपने दोस्तों से मिलवाती नजर आईं। जैसे ही ये वीडियो सामने आया, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने ये दावा करना शुरू कर दिया कि दोनों के बीच दोस्ती से कुछ ज्यादा है, इन अफवाहों पर अब अमीषा ने भी प्रतिक्रिया दी है। यूजर ने दोनों की बातचीत के दौरान पल की ओर इशारा किया जब अमीषा, हार्दिक पांड्या के कंधे पर हाथ रखती हैं।

आर्मी मेजर बनने के लिए लेनी पड़ी खास ट्रेनिंग, अश्मिता बख्शी ने बताया अपना अनुभव

अश्मिता बख्शी इन दिनों टीवी शो '108 बेस हॉस्पिटल - उरी' में आर्मी मेजर और नर्स अनीता सोलंकी के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि शो का कॉन्सेप्ट उन्हें बहुत अच्छा लगा, जिस वजह से वह शो के लिए मना नहीं कर पाईं। उन्होंने बताया, "इस शो में मैं एक नर्स का किरदार निभा रही हूं, जो सेना में मेजर भी है। इस शो के मेकर्स के साथ मैंने पहले भी काम किया है। वह इस किरदार के लिए कास्टिंग कर रहे थे और मुझे लगता है कि यह आखिरी रोल था जिसे उन्हें फाइनल करना था। उन्होंने मुझे इसके लिए बुलाया और किरदार के बारे में बताया।" अश्मिता बख्शी ने बताया कि शो के साथ उनके किरदार की भी कहानी बढ़ेगी। उन्होंने बताया, "मेरा किरदार बहुत ही अच्छा है और यह कहानी के साथ-साथ आगे बढ़ेगा। सबसे खास बात यह है कि शो डेली सोप से बिल्कुल अलग है। इसी कॉन्सेप्ट ने मुझे उत्साहित किया और मैंने इसे करने का फैसला लिया।" अभिनेत्री ने आगे बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए क्या क्या तैयारी की थी। उन्होंने कहा, "जब आप किसी आर्मी नर्स का किरदार निभा रही हो और वो मेजर भी है, तो सही बॉडी लैंग्वेज होना जरूरी है। रीडिंग सेशन के दौरान हमें बताया भी गया था कि पोस्चर और स्टांस कैसा होना चाहिए और आर्मी ऑफिसर के तौर पर हमें एक-दूसरे से कैसे मिलना चाहिए।" अभिनेत्री ने आगे कहा, "जब मैं कैरेक्टर के नर्स वाले हिस्से की तैयारी कर रही थी, तो हमें ऑपरेशन थिएटर और हॉस्पिटल में प्रोटोकॉल फॉलो करने की ट्रेनिंग भी दी गई थी। हमें वह ट्रेनिंग शूट से पहले मिली थी, इसलिए मेकर्स ने सब कुछ संभाल लिया था।" अभिनेत्री ने बताया कि वह एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो कई सालों से खेलों में अपना योगदान देते आए हैं। उन्होंने कहा, "मैं एक स्पोर्ट्स फैमिली से ताल्लुक रखती हूं। मेरे दादाजी हॉकी खेलते थे और फिटनेस मेरे खून में है। इसलिए आर्मी स्टांस रखना और जरूरी बॉडी पोस्चर बनाए रखना मेरे लिए थोड़ा आसान था। साथ ही, एक प्रोफेशनल डांसर होने से भी मुझे मदद मिली।" अश्मिता बख्शी ने शो के बारे में बताया, "यह शो श्रीनगर के असल आर्मी हॉस्पिटल से प्रेरित है, लेकिन शूट वहां नहीं हुआ। हमने मुंबई स्टूडियो में शूट किया और इसका कुछ हिस्सा कश्मीर में शूट किया गया। शो असल अनुभवों से प्रेरित है। किरदार काल्पनिक हैं, लेकिन कहानियां असल हॉस्पिटल के अनुभवों से प्रेरित हैं।" अश्मिता बख्शी के मुताबिक, इस किरदार को निभाने के दौरान उन्हें अभिनय के साथ-साथ अनुशासन और जिम्मेदारी को भी समझने का मौका मिला। आर्मी अधिकारी और नर्स की दोहरी भूमिका होने के कारण किरदार में भावनात्मक मजबूती के साथ पेशेवर संवेदनशीलता दिखाना भी जरूरी था। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान छोटी-छोटी बारीकियों पर ध्यान दिया गया, ताकि किरदार पर्दे पर विश्वसनीय नजर आए। अभिनेत्री ने कहा कि अस्पताल के माहौल को वास्तविक दिखाने के लिए टीम ने मेडिकल प्रक्रियाओं और अस्पताल से जुड़े व्यवहार को लेकर भी तैयारी की। मरीजों के साथ बातचीत, अस्पताल का अनुशासन और आपात परिस्थितियों में काम करने का तरीका जैसे पहलुओं को समझने की कोशिश की गई। इससे उनके लिए अनीता सोलंकी के किरदार को अधिक स्वाभाविक तरीके से निभाना आसान हुआ। अश्मिता ने यह भी बताया कि शो में केवल अस्पताल की रोजमर्रा की गतिविधियों को नहीं दिखाया गया है, बल्कि सेना के जवानों और उनके जीवन से जुड़े भावनात्मक पहलुओं को भी कहानी का हिस्सा बनाया गया है। ऐसे में उनके किरदार के सामने आने वाली परिस्थितियों भी कहानी के साथ बदलती रहेंगी और दर्शकों को अनीता सोलंकी के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलू देखने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि किसी वास्तविक संस्थान और वहां काम करने वाले लोगों से प्रेरित कहानी को पर्दे पर उतारना कलाकारों के लिए एक जिम्मेदारी भी है। हालांकि किरदार काल्पनिक हैं, लेकिन वास्तविक अनुभवों से प्रेरित घटनाओं के कारण कहानी में वास्तविकता का प्रभाव दिखाई देता है। यही पहलू इस शो को सामान्य टेलीविजन धारावाहिकों से अलग बनाता है।

पत्नी सुनीता के आरोपों के बीच गोविंदा ने ईश्वर से की प्रार्थना, फैंस से मांगा सहयोग, अपकमिंग फिल्मों का भी किया ऐलान

गोविंदा पिछले कुछ महीनों से अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतों की अफवाहों और कोमल रानी के साथ अपनी आने वाली फिल्म 'रूपा' को लेकर चर्चा में रहे हैं। एक तरफ सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं तो दूसरी तरफ एक्टर ने अब तक इस पर चुप्पी साध रखी है और अपना पूरा ध्यान अपनी अपकमिंग फिल्म पर लगा रखा है, जिसके साथ वह कमबैक कर रहे हैं। इस बीच गोविंदा ने एक्टिंग में अपनी वापसी के बारे में बात की है। शनिवार को मुंबई में 'यूथ शक्ति दही हांडी' इवेंट में शामिल हुए गोविंदा ने बताया कि एक नहीं बल्कि बैक-टू-बैक उनकी दो फिल्में आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने उन चीजों का भी जिक्र किया जिन्हें वह ठीक करना चाहते हैं। हालांकि, अपनी बात रखते हुए उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। गोविंदा ने कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए पर्सनल लाइफ में चल रहीं समस्याओं के बारे में इशारे-इशारे में बात करते हुए कहा, "और बहुत सी बातें आसमान में लिख दी गई हैं। मैं मां से प्रार्थना करता हूं कि वो क्लीन अप हो और गोविंदा उसे क्लीन अप करें।" हालांकि, बातचीत के दौरान गोविंदा ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ये बयान ऐसे समय पर आया है जब गोविंदा की निजी जिंदगी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।

लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने 'हनुमान अंश' को दिलाई ₹100 करोड़ की ऐतिहासिक कामयाबी

लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी इस साल की सबसे शानदार बॉक्स ऑफिस सफलता की कहानियों में से एक के पीछे की रचनात्मक ताकत बनकर उभरे हैं। नीम करोली बाबा के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित उनकी आध्यात्मिक फिल्म 'हनुमान अंश' ने रिलीज के पांचवें रविवार को 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। महज 10 लाख की ओपनिंग से शुरुआत करने वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक असाधारण सफर तय करते हुए यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। 7 अगस्त को महज 25 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई 'हनुमान अंश' ने शुरुआत में बेहद धीमी रफ्तार पकड़ी और पहले हफ्ते में 1.08 करोड़ का कलेक्शन किया। दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई घटकर करीब 40 लाख रह गई। हालांकि, तीसरे हफ्ते में फिल्म ने जबरदस्त वापसी करते हुए 10.40 करोड़ का कलेक्शन किया और इसके बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। गौरतलब है कि इस असाधारण सफलता के केंद्र में विशाल चतुर्वेदी की रचनात्मक दृष्टि रही, जिन्होंने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसका निर्देशन भी किया और इसकी आध्यात्मिक जड़ों को बड़े पर्दे पर प्रभावशाली ढंग से पेश किया। इस उपलब्धि को और खास बनाता है फिल्म का बड़ी फिल्मों से लगातार मुकाबला करते हुए आगे बढ़ना। 'हनुमान अंश' ने मिर्जापुर: द मूवी जैसी बड़ी रिलीज के बीच भी अपनी पकड़ बनाए रखी और अपनी शानदार बॉक्स ऑफिस यात्रा में टॉक्सिक जैसी बड़ी रिलीज को भी पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के पांचवें शुक्रवार का कलेक्शन कई बड़ी हिंदी फिल्मों की पांचवें शुक्रवार की कमाई से भी आगे निकल गया। यह फिल्म के बढ़ते वर्ड ऑफ माउथ

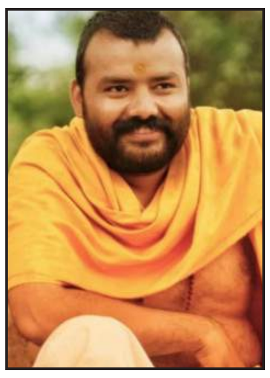

और दर्शकों के बीच इसकी आध्यात्मिक अपील को दर्शाता है। विशाल चतुर्वेदी की कहानी कहने की शैली और निर्देशन की स्पष्ट दृष्टि ने 'हनुमान अंश' को उसकी शुरुआती सीमित रिलीज के दायरे से कहीं आगे पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। महज 25 स्क्रीन्स से शुरू हुई यह फिल्म अब 100 करोड़ के क्लब में शामिल होकर यह साबित कर रही है कि मजबूत कहानी, आस्था और दर्शकों से जुड़ाव मिलकर बॉक्स ऑफिस पर असाधारण नतीजे दे सकते हैं।

सार समाचार

बांग्लादेश में संत चिन्मय कृष्णदास को बड़ी राहत, दो और मामलों में मिली जमानत

ढाका। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने रविवार को हिंदू संत चिन्मय कृष्णदास को बड़ी राहत देते हुए दो और मामलों में जमानत दे दी। इसके साथ ही चिन्मय कृष्ण दास को अब तक कुल चार मामलों में जमानत मिल चुकी है। जमानत मिलन के बावजूद फिलहाल उनकी जेल से रिहाई नहीं हो पाएगी, क्योंकि उनके खिलाफ दो अन्य मामले अभी लंबित हैं और उनमें जमानत नहीं मिली है। चिन्मय कृष्ण दास के वकील अपूर्ब कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि हाईकोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने रविवार को दो मामलों में सुनवाई के बाद जमानत का आदेश दिया। इस बेंच में जस्टिस जाहिद सरवर और जस्टिस शेख अबू ताहेर शामिल थे। वकील के मुताबिक, इन मामलों में हत्या के प्रयास, तोड़फोड़, सरकारी कार्य में बाधा डालने और इससे जुड़े अन्य आरोप शामिल हैं। चिन्मय कृष्ण दास के वकील ने बताया कि इससे पहले 2 अगस्त को चिन्मय कृष्ण दास को दो मामलों में जमानत मिली थी। रविवार को दो और मामलों में बेल मिलने के बाद अब वह कुल4 मामलों में जमानत हासिल कर चुके हैं। हालांकि कुल चार मामलों में जमानत मिलने के बाद भी चिन्मय कृष्ण दास की मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। उनके खिलाफ अभी दो मामले लंबित हैं। इनमें से एक मामला देशद्रोह के आरोप से संबंधित है, जबकि दूसरा चटगांव में दर्ज हत्या का मामला है। उनके वकील के मुताबिक जब तक इन दोनों मामलों में भी जमानत नहीं मिलती, तब तक उन्हें जेल से रिहा नहीं किया जा सकता। वह पहले इस्कॉन के नेता और प्रवक्ता रह चुके हैं।

रूस के साथ अमेरिकी प्रतिनिधियों की बातचीत के बीच जेलेंस्की भी युद्धविराम के लिए तैयार

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने घोषणा की है कि यूक्रेन उन रूसी शहरों पर हवाई हमले नहीं करेगा जो बातचीत की प्रक्रिया में शामिल हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा, "अभी से लेकर शनिवार के अंत तक और रविवार व सोमवार को भी, यूक्रेन मॉस्को पर हमले न करने के लिए तैयार है।" जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन उम्मीद करता है कि रूस भी कीव के संबंध में इसी तरह का कदम उठाएगा। इंटरफैक्स-यूक्रेन समाचार एजेंसी के अनुसार, विटकोफ और कुशनर मॉस्को की यात्रा के बाद रविवार को कीव जाने की योजना बना रहे हैं। उशाकोव ने कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा एक औपचारिक कार्य बैठक के दौरान हुई और बाद में रात्रिभोज के समय अनौपचारिक रूप से भी बातचीत जारी रही।

अमेरिका के किसी भी हमले का जवाब सख्त और दर्दनाक होगा : ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ

तेहरान। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने रविवार को संसद के खुले सत्र में कहा कि ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ किसी भी हमले का जवाब त्वरित, ज्यादा सख्त और दर्दनाक होगा। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, खुले सत्र में उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को यह पता होना चाहिए कि 'बराबर का जवाब' देने का दौर अब खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, अमेरिकियों को यह समझ लेना चाहिए कि खेल के नियम बदल गए हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ किसी भी हमले का जवाब तेजी से, ज्यादा सख्त और ज्यादा दर्दनाक तरीके से दिया जाएगा।" उन्होंने देश के नागरिकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने अमेरिका और इजरायल द्वारा संयुक्त रूप से देश पर थोपे गए दो संघर्षों (12-दिन और 40-दिन) के दौरान कई उतार-चढ़ाव का सामना किया। इसके बाद गालिबाफ ने प्रशासनिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे मौजूदा हालात में आर्थिक समस्याओं और मुश्किलों से निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों को बेहतर सेवाएं देने के उचित रास्ते बनाएं। स्पीकर ने कहा कि दुश्मन का सामना करने के लिए "आंतरिक एकजुटता, एकता और भाईचारा" और "बाहरी प्रतिरोध क्षमता" बनाए रखना दो अहम बातें हैं। कोई भी ऐसी बात या काम जिससे ये दो बुनियादी स्तंभ कमजोर हों, न सिर्फ समझदारी के खिलाफ है, बल्कि इस्लामिक क्रांति के नेता की साफ हिदायतों के भी खिलाफ है।

ट्रंप का नया आइडिया! 'न्यू मैक्सिको' का नाम बदलकर करेंगे 'न्यू अमेरिका'? पोस्ट से मची हलचल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने अमेरिका के राज्य 'न्यू मैक्सिको' का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' करने का संकेत दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Truth Social पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें 'मैक्सिको' शब्द को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिख रहे हैं। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा, "कई लोगों ने सुझाव दिया है कि न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' कर दिया जाए। यह उस शानदार राज्य के लोगों के लिए कहीं ज्यादा सम्मानजनक और सुंदर होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया!" इससे पहले, ईरान से लगातार बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नाम बदलने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक पोस्ट कर कहा था कि अगर होर्मुज अब अमेरिका के नियंत्रण में है, तो इसका नाम बदलकर 'ट्रंप स्ट्रेट' क्यों न कर दिया जाए। ट्रंप ने पोस्ट किया, "अब जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य अमेरिका के नियंत्रण में है, क्या इसका नाम बदलकर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए?" उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका की तरह यह जलडमरूमध्य भी पहले से ज्यादा 'हॉट' होगा। इससे पहले, ट्रंप ने होर्मुज का नक्शा शेयर करते हुए इसे "NEW U.S. Territory" बताया था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया की तेल और गैस आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप मैक्सिको की खाड़ी और ओंटारियो झील के नाम बदलने को लेकर कदम उठा चुके हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने कनाडा के साथ जारी ट्रेड वॉर के बीच ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने का आदेश दिया था। यह पहली बार नहीं, जब ट्रंप ने अमेरिका की सीमा से बाहर तक फैले किसी जल क्षेत्र का नाम बदलने की कोशिश की। इसके बाद एपल और गूगल ने भी अमेरिका में अपने नक्शे पर इसका नाम बदल दिया था।

नेपाल के चिलिमे टनल में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश तेज, भारतीय सेना, NDRF और BRO बना रहे वैकल्पिक रूट

काठमांडू। 26 अगस्त को आए विनाशकारी सैलाब के बाद अब नेपाल के चिलिमे इलाके में टनल में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। भारतीय सेना ने अब टनल के अवरुद्ध हिस्से तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक एक्सेस रूट तैयार करने का काम तेज कर दिया है। इस अभियान में भारतीय सेना के साथ NDRF और बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) की टीमें जुटी हुई हैं। रेस्क्यू टीम बेहद संकरे रास्ते से टनल के अंदर अपनी पहुंच बना रही है और तलाशी अभियान चला रही है। इस दौरान भारतीय सेना और नेपाल सेना के जवानों के साथ एनडीआरएफ की टीम भी सर्च ऑपरेशन में शामिल है। टनल के अंदर से एंडोस्कोपिक कैमरे की पहली तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन कैमरों के माध्यम से अंदर की स्थिति का जायजा लेने की कोशिश की जा रही है। चिलिमे टनल का एक हिस्सा ब्लॉक होने के कारण रेस्क्यू टीम वैकल्पिक रास्ता तैयार कर रही है। टीम का मकसद अवरुद्ध हिस्से तक पहुंच बनाना और वहां मौजूद लोगों को बाहर निकालने के लिए सुरक्षित मार्ग तैयार करना है। भारतीय सेना, NDRF और BRO के जवान लगातार इस काम में जुटे हैं। इस ऑपरेशन में ऑस्ट्रेलिया के मशहूर टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स भी मौके पर मौजूद हैं। वह रेस्क्यू टीम को तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध करा रहे हैं और टनल के भीतर की परिस्थितियों को भांपते हुए बचाव अभियान में सलाह दे रहे हैं। चिलिमे टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन की अगुवाई कर्नल परीक्षित मेहरा कर रहे हैं। कर्नल मेहरा इससे पहले उत्तराखंड के सिल्क्यारा टनल हादसे में 41 मजदूरों के सफल रेस्क्यू अभियान में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

नेपाल के बाद चीन में लैंडस्लाइड, दो लोगों की हो गई मौत और 10 लापता

ट्रॉपिकल साइक्लोन Saudel की वजह से कई दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बाद ईस्टर्न चीन में लैंडस्लाइड हुआ है। इसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई है और 10 लोग अभी भी लापता हैं। सरकारी मीडिया ने आज (रविवार को) बताया कि लैंडस्लाइड में लगभग 12 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने एक स्टेटमेंट में बताया कि शनिवार सुबह जियांग्शी प्रांत के सुइचुआन काउंटी के एक गांव के एक भाग में लैंडस्लाइड हुआ। घटना की खबर मिलते ही बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आगे के खतरे के मद्देनजर लोकल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। उन्होंने आगे कहा कि मलबे से निकाले गए एक शख्स को मृत पाया गया, जबकि दो अन्य लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया है। दोनों अब ठीक हैं। सरकारी ब्रॉडकास्टर 'सीसीटीवी' ने बताया कि रविवार की सुबह बचावकर्मियों ने लापता लोगों में से एक को खोज निकाला। हालांकि उसकी मौत हो चुकी थी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, चक्रवात सौडेल ने 28 अगस्त को झेजियांग प्रांत में 2 बार दस्तक दी थी। इसके बाद गुरुवार को यह फुजियान प्रोविंस में उष्णकटिबंधीय तूफान के तौर पर तीसरी बार तट से टकराया। झेजियांग और फुजियान, दोनों जियांग्शी के पड़ोसी प्रोविंस हैं। शिन्हुआ के मुताबिक, फुजियान में लोकल अफसरों ने बीते को बताया कि कई दिनों से जारी भारी बारिश के बाद कई लोग लापता हैं। हालांकि, लापता लोगों की सटीक संख्या अभी साफ नहीं है, लेकिन पुतियान सिटी के हुआतिंग कस्बे में 100 से ज्यादा मकान ढह गए हैं। 'शिन्हुआ' ने बताया कि गुरुवार दोपहर एक तटबंध के ऊपर से पानी बहने लगा और बाद में तेज दबाव के बाद वह टूट गया। इससे कई गांवों में बाढ़ आ गई और लोग वहां फंस गए। फिर, शुक्रवार की रात तक फुजियान में समंदर के पास और जमीन पर मौजूद जोखिम वाले क्षेत्रों से लगभग 6 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा चुका था।

अमेरिकी सेंटकॉम ने ईरानी तेल टैंकर एमटी काइलो पर हमले का किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के एक तेल टैंकर पर हमले का दावा किया। सेंटकॉम ने बताया कि यह हमला ईरान के एम/टी काइलो नाम के जहाज पर किया गया। हमले के बाद जहाज समुद्र की तलहटी में समा गया। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमेरिकी सैनिकों की सटीक कार्रवाई और पेशेवर कौशल की बदौलत, एमटी काइलो ओमान की खाड़ी में डूब गया और समुद्र की तलहटी में ईरानी नौसेना के साथ जा मिला। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हमलों का सिलसिला रुक-रुक कर बना हुआ है। दोनों देशों के बीच एक बार फिर से टकराव की वजह से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही ईरान के साथ अमेरिका के टकराव को पूर्ण युद्ध के बजाय रुक-रुक कर होने वाला 'सैन्य संघर्ष' बता चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर वॉशिंगटन का नियंत्रण है और उसने तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका है। ट्रंप ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि ईरान पर दोबारा हमले शुरू होने के बावजूद, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने इस टकराव को 'युद्ध' मानने से इनकार क्यों किया। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, "देखिए, मैं आपको बताता हूं, बहुत से लोग इसे युद्ध नहीं कहते। मैं इसे मिलिट्री कॉन्फ्लिक्ट (सैन्य टकराव) कहता हूं, क्योंकि हमारे लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह कोई बहुत बड़ी घटना नहीं है।"

पुतिन और अमेरिकी प्रतिनिधियों की अहम बैठक, संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करने पर हुई चर्चा

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ मॉस्को में गहन, रचनात्मक और खुली बातचीत की। क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने रविवार तड़के यह जानकारी दी। उशाकोव ने बताया कि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कार्य-स्तरीय बैठक के दौरान हुई और बाद में रात्रि भोज के समय अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पुतिन ने एक बार फिर दोहराया कि रूस, यूक्रेन से जुड़े मुद्दों का राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम जारी रखने को तैयार है। उशाकोव के अनुसार, रूसी पक्ष ने विशेष सैन्य अभियान के दौरान बन रही स्थिति का स्पष्ट और विस्तृत आकलन अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने रखा।

उन्होंने कहा, "खासतौर पर युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना की वास्तविक प्रगति का जिक्र किया गया। साथ ही यह भरोसा जताया गया कि निर्धारित उद्देश्यों को हासिल कर लिया जाएगा और इस बात पर जोर दिया गया कि संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करना जरूरी है।" उशाकोव ने बताया कि बातचीत सिर्फ यूक्रेन संकट के समाधान तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने आर्थिक मुद्दों और रूस-अमेरिका के बीच बड़े पैमाने पर संभावित आपसी लाभ वाले परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। उनके मुताबिक, कुल मिलाकर यह बातचीत सही समय पर हुई और दोनों देशों के लिए काफी उपयोगी रही। यह भी तय हुआ कि दोनों देशों के राष्ट्रपति आगे भी सीधे संपर्क बनाए रखेंगे और विटकोफ तथा कुशनर के माध्यम से बातचीत जारी रहेगी। यह बैठक कुल 3 घंटे 10 मिनट तक चली। उशाकोव ने कहा कि अमेरिकी दूतों ने आश्वासन दिया है कि वे अगले दिन कीव में होने वाली अपनी बैठकों के दौरान यूक्रेन संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को लेकर राष्ट्रपति पुतिन से मिली जानकारी और उनके विचारों को वहां तक पहुंचाएंगे। पेसकोव ने पत्रकारों से कहा, "राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक निश्चित रूप से होगी और बातचीत भी होगी। आम तौर पर ऐसी मुलाकातें पहले काफी लंबी चली हैं। आइए इंतजार करते हैं और देखते हैं। हम आपको इसकी जानकारी देते रहेंगे।" उन्होंने कहा कि किसी संभावित शांति प्रस्ताव के बारे में पहले से अनुमान लगाने से बचना चाहिए और पुतिन तथा अमेरिकी वार्ताकारों की बैठक के नतीजों का इंतजार करना चाहिए।

ईरान में ईंधन टैंकर में हुआ जोरदार धमाका, आग की चपेट में आईं कई गाड़ियां

पश्चिमी ईरान में एक ईंधन टैंकर में भीषण विस्फोट हो गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हुए हैं। घटना ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत के सनंदज काउंटी और हमेदान प्रांत के हमेदान काउंटी को जोड़ने वाले अंतर-शहरी मार्ग पर हुई। स्थानीय सरकारी मीडिया के मुताबिक, टैंकर की टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और आस-पास मौजूद कई कारों में भी आग लग गई। हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। कुर्दिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज की आपातकालीन चिकित्सा सेवा के प्रमुख बाबक होदाई के अनुसार, टैंकर के विस्फोट के बाद आस-पास के कई वाहन भी आग की चपेट में आ गए। हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और सात लोग घायल हुए। घायलों को इलाज के लिए सनंदज स्थित चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। अधिकारियों की ओर से मृतकों की पहचान और घायलों की स्थिति के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, टैंकर ने अन्य वाहनों को टक्कर मारने के बाद आग पकड़ ली और उसमें विस्फोट हो गया। यह घटना सनंदज के पास एक ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के नजदीक बताई गई थी। हालांकि, बाद की सरकारी मीडिया रिपोर्टों में दुर्घटना की जगह को कुर्दिस्तान और हमेदान प्रांतों को जोड़ने वाले अंतर-शहरी मार्ग के रूप में बताया गया है।

शादी समारोह में बड़ा अग्निकांड, जिंदा जल गए 22 लोग; बिल्डिंग के संकरे गलियारे से नहीं निकल पाए

कांगो की राजधानी किंशासा में बड़ा अग्निकांड हो गया है। एक शादी समारोह में आग लगने से कम से कम 22 लोग जिंदा जल गए, जबकि कई अन्य जख्मी हो गए। लिंगवाला के मेयर ने बताया कि ये आग बीते शुक्रवार की रात को एक बिल्डिंग में लगी और वह शनिवार सुबह तक धधकती रही। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। बता दें कि यह बिल्डिंग किंशासा के नॉर्थ पार्ट में स्थित लिंगवाला में है। आग से बचकर निकलने का प्रयास कर रहे लोगों के लिए बिल्डिंग के संकरे गलियारों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। इस वजह से कई लोग बिल्डिंग से निकल नहीं पाए और उसी में जल गए। वहीं, शादी समारोह में आए अन्य लोगों ने आग में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश भी की। बिल्डिंग से निकाले गए कई लोगों को सड़क के किनारे लिटाया गया, जिनमें से कुछ लोग जिंदा बच गए, जबकि कुछ की मौत हो गई। जहां शादी की वजह से हंसी-खुसी का माहौल था, वहां अब मातम पसरा हुआ है। लिंगवाला के मेयर नॉर्बर्ट मुशिंगा ने कांगो प्रेस एजेंसी को कहा कि फिलहाल मृतकों की संख्या 22 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है। आग लगने की सटीक वजह की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। कांगो के उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जैक्वेमिन शाबानी के मुताबिक, यह एक त्रासदी है। उन्होंने बीते शनिवार की सुबह घटनास्थल का दौरा भी किया। जान लें कि किंशासा के घनी आबादी वाले क्षेत्र में आग लगने की घटनाएं आम हैं। लोकल मीडिया के मुताबिक, शुष्क मौसम में आग लगने की घटनाएं आम होती हैं।

थिंक राजस्थान

खेल समाचार

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम, नेशंस लीग में खेलेंगे

मिलान। लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा, वैभव सूर्यवंशी से भिड़े तिलक वर्मा

चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मैच खेला जा रहा है। मुकाबले के पहले दिन मैदान पर जबरदस्त ड्रामा देखने को मिला। ईस्ट जोन के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा के बीच बहस हो गई।

पहले तो दोनों एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक और स्लेजिंग कर रहे थे, लेकिन देखते ही देखते बात ज्यादा बढ़ गई। दोनों खिलाड़ियों को आपस में उलझते देख अंपायरों को तुरंत बीच-बचाव करने आना पड़ा और मामला शांत कराना पड़ा। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दलीप ट्रॉफी के इस मैच में जब ईस्ट जोन की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी कर रही थी, तब 11वें ओवर के दौरान साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा लगातार वैभव सूर्यवंशी को स्लेज कर रहे थे।

शुरुआत में तो यह नॉर्मल स्लेजिंग लग रही थी, लेकिन जल्द ही यह तीखी बहस में बदल गई। इसके बाद तिलक वर्मा 15 साल के वैभव की तरफ बढ़े और ऐसा इशारा किया मानो मुक्का मारने की बात कर रहे हों। वैभव ने भी बिना डरे उनका सामना किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच माहौल बहुत ज्यादा गर्म होता देख अंपायरों को तुरंत बीच में आना पड़ा और दोनों को अलग करके मामले को शांत कराया।

सुब्रतो कप: मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने दिल्ली को 8-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (अंडर-15) में सीआईएससीई (CISCE) का प्रतिनिधित्व कर रही मिनर्वा पब्लिक स्कूल की टीम ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। बेंगलुरु के जलाहल्ली स्थित वायु सेना स्टेशन के एसएफजी ग्राउंड पर खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिनर्वा ने शानदार खेल दिखाते हुए दिल्ली को 8-0 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में जमीन-आसमान का अंतर देखने को मिला। मिनर्वा ने अपनी चिर-परिचित आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ मैदान संभाला, जिसमें गोलकीपर तन्मय की रक्षा में बुंगसेम, लुंगदिम, मनिचंद्रा और बैते की चौकड़ी मुस्तैद रही। मिडफील्ड में एल. किपगेन, आकाश और नगायिजा ने मोर्चा संभाला, जबकि अग्रिम पंक्ति में अल्बर्ट, ममेश और गोलमशीन रिमोसन की तिकड़ी ने विपक्षी खेमे पर लगातार दबाव बनाए रखा। दूसरी तरफ, दिल्ली ने शुरुआत से ही अपनी रक्षापंक्ति को बेहद सघन रखते हुए 'लो ब्लॉक' रणनीति अपनाई ताकि मिनर्वा के आक्रमक हमलों को रोका जा सके। मिनर्वा के लगातार हमलों के आगे दिल्ली का यह रक्षात्मक घेरा महज 10 मिनट ही टिक सका। इसके बाद भी मिनर्वा का मिडफील्ड लगातार हावी रहा और 20वें मिनट में नगायिजा के सटीक थ्रू-पास पर रिमोसन ने आगे बढ़ते हुए गोलकीपर को छकाया और गेंद को जाल में उलझाकर मध्यांतर तक मिनर्वा की बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में मिनर्वा ने अपने खेल की गति और तेज कर दी, जिसके चलते महज 12 मिनट के भीतर छह गोल दागे गए। रिमोसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले चार गोल अपने नाम किए।

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान, लाबुशेन को नहीं किया गया ड्रॉप

ऑस्ट्रेलिया की टीम इस महीने के आखिर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाएगी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन इस सीरीज के लिए टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे। उनके अलावा कूपर कॉनोली, माइकल नेसर और मैथ्यू कुहनेमैन को भी टीम में शामिल किया गया है। मार्नस लाबुशेन पिछले कुछ समय से टेस्ट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में उन पर टीम में अपनी नंबर 3 की जगह बचाने का बहुत दबाव था। जुलाई 2023 के बाद से खेली गई अपनी पिछली 43 पारियों में वे लगातार फ्लॉप रहे हैं। उनका औसत सिर्फ 24 का रहा है और वे एक भी शतक नहीं बना पाए हैं। खराब फॉर्म की वजह से उन्हें जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका वनडे (ODI) टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके अलावा बांग्लादेश के खिलाफ भी उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 1, 31 और 4 रन ही बनाए, लेकिन फिर भी सेलेक्टर्स ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें टेस्ट टीम में बनाए रखा है। ऑस्ट्रेलिया के सेलेक्टर्स ने कूपर कॉनोली को दूसरे बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल किया है। कॉनोली ने अब तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक भी शतक नहीं लगाया है और अपनी 21 पारियों में से केवल दो बार ही तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की है। पिछले सीजन में अपनी घरेलू टीम (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया) ने भी उन्हें आखिरी मैच से बाहर कर दिया था। हालांकि उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ बतौर ओपनर वनडे मैच में शानदार शतक लगाकर जबरदस्त वापसी की। उनके अलावा, जोश इंग्लिस टीम में दूसरे बैकअप बल्लेबाज और विकेटकीपर के तौर पर मौजूद हैं। माइकल नेसर अब अपनी काफ इंजरी से पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। यह चोट उन्हें अगस्त की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान लगी थी। उन्हें पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड के साथ पांचवें तेज गेंदबाज के रूप में टीम में शामिल किया गया है। कैमरन ग्रीन और बो वेबस्टर टीम में दो ऑलराउंडर होंगे। टेस्ट टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा विकल्पों को भी शामिल किया गया है। स्पिन विभाग में मैथ्यू कुहनेमैन को जगह मिली है, जबकि टीम के पास जरूरत के मुताबिक ऑलराउंड विकल्प भी मौजूद हैं। चयनकर्ताओं ने इस दौरे के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में पर्याप्त गहराई रखने की कोशिश की है। लाबुशेन का टीम में बने रहना इस दौरे के सबसे चर्चित फैसलों में से एक है। लगातार खराब प्रदर्शन के बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी क्षमता और अनुभव पर भरोसा जताया है। नंबर तीन की अहम जिम्मेदारी संभालने वाले लाबुशेन के लिए साउथ अफ्रीका का दौरा फॉर्म में वापसी करने और टेस्ट टीम में अपनी जगह मजबूत करने का महत्वपूर्ण मौका होगा। वहीं, कूपर कॉनोली के चयन से टीम में एक युवा और बहुमुखी विकल्प जुड़ा है। वनडे में शतक लगाकर प्रभावित करने वाले कॉनोली को अब टेस्ट स्तर पर खुद को साबित करने का अवसर मिलेगा। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी सीमित है, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी हालिया प्रगति और संभावनाओं को देखते हुए उन पर भरोसा जताया है।

शुभमन गिल ने 190 की स्ट्राइक रेट से बनाए रन, अर्शदीप सिंह की टीम को 1 रन से हराया

6 सितंबर को शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के 15वें मैच में भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल फजलिका फॉल्कंस की तरफ से खेलने उतरे। उन्होंने अर्शदीप सिंह की कप्तानी वाली लुधियाना लॉयन्स के खिलाफ काफी तेजी से रन बनाए, लेकिन इस दौरान वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए। वहीं दूसरी तरफ गेंदबाज अर्शदीप सिंह काफी महंगे साबित हुए और बिना कोई विकेट लिए उन्होंने 51 रन दे दिए। फजलिका फॉल्कंस ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 170 रन बनाए। जवाब में अर्शदीप की कप्तानी वाली लुधियाना लायंस 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना सकी और 1 रन से मैच हार गई। फजलिका फॉल्कंस के लिए सबसे ज्यादा 40 रन शुभमन गिल ने बनाए। अपनी 21 बॉल की पारी के दौरान उन्होंने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। उनके अलावा प्रेरित दत्ता ने 36 रन और विकेटकीपर ईश राव ने 25 रनों का योगदान दिया। टीम के लिए जयवीर भिंडर 21, कप्तान सनवीर सिंह ने 17 और अंशुल चौधरी ने 15 रन का योगदान दिया। विहान मलहोत्रा 8, प्रांशु प्रताप 1 और आरुष लत्ता बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। गर्व कुमार 1 रन बनाकर नाबाद रहे। लुधियाना लॉयन्स के लिए कार्तिक चड्ढा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9 रन देकर 4 विकेट लिए। कप्तान अर्शदीप का प्रदर्शन इस मैच में बेहद खराब रहा। उन्होंने 4 ओवर में 51 रन लुटाए। उनकी इकॉनमी 12.80 की रही। उन्होंने 3 वाइड और 1 नोबॉल फेंका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लुधियाना की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कार्तिक शर्मा और अभिजीत गर्ग ने 33 रन जोड़े। कार्तिक ने 32, वहीं अभिजीत ने 17 रन का योगदान दिया। इसके बाद सलिला अरोरा और युवी गोयल सस्ते में पवेलियन लौट गए। अरुण राजपुत ने 19 गेंदों में 27 रन की पारी खेली। लुधियाना की टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 19 रन की जरूरत थी। उस वक्त माधव सिंह और कृष भगत बल्लेबाजी कर रहे थे। दोनों ने मिलकर आखिरी ओवर में शानदार बैटिंग की और 17 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

नाइजीरिया ने वर्ल्ड कप 2027 के लिए किया क्वालीफाई, रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को 4 रन से चटाई धूल

नाइजीरिया की महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को एक बेहद रोमांचक मैच में 4 रन से हराकर 2027 के अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। पूरे टूर्नामेंट में बिना कोई मैच गंवाए नाइजीरिया अफ्रीका से क्वालीफाई करने वाली एकमात्र टीम बनी। अब यह टीम वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के साथ अपने महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करेगी। इस बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी बांग्लादेश और नेपाल के पास है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइजीरिया ने मुश्किल पिच पर 98 रन बनाए, जिसमें कप्तान क्रिस्टाबेल चुकवुओन्ये ने 21, ब्यूटी ओगुआई ने 19 और जेसिका बिएनी ने 15 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे की ओर से क्रिस्टीन मुतासा ने दो और तादिवानाशे गारुत्सा ने एक विकेट लिया। इसके जवाब में नाइजीरियाई गेंदबाजों ने बेहतरीन और सटीक गेंदबाजी करते हुए जिम्बाब्वे को आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर 94 रन पर ही समेट दिया और जीत अपने नाम कर ली। 99 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने अंत तक मैच में पकड़ बनाए रखी। टीम की ओर से सलेम मुसेका ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए, जबकि बेथेल जिन्यामा ने 21 और निकोलेट न्यिका ने 18 रन का योगदान दिया। नाइजीरिया की गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट निकालकर दबाव बनाए रखा। अंत में जिम्बाब्वे महिला टीम जीत से दूर रह गई। नाइजीरिया की ओर से यूसेन पीस सबसे सफल रहीं, उन्होंने 3 विकेट झटके। वहीं, जेनिफर गॉडविन और एनॉइंटेड अखिग्बे ने 2-2 विकेट लेकर अपनी टीम को इस छोटे से स्कोर को डिफेंड करने और टीम को जीत दिलाने में मदद की। प्लेऑफ मुकाबलों में तंजानिया ने पांचवें स्थान के लिए हुए मैच में केन्या को 29 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तंजानिया ने 106 रन बनाए और फिर केन्या की टीम को 19 ओवर में महज 77 रन पर ही ढेर कर दिया।

श्री चरणी ने खोला राज, कैसे पाकिस्तानी टीम को सस्ते में निपटाने की रणनीति हुई तैयार

भारतीय महिला टीम ने दुबई में खेले जा रहे महिला टी20 एशिया कप 2026 में 5 सितंबर को खेले गए पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को एकतरफा 7 विकेट से अपने नाम किया है, जिसमें वह इस मैच को 68 गेंदों पहले ही खत्म करने में कामयाब रही। टीम इंडिया जो इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले गेंदबाजी करने उतरी थी उसने सिर्फ 55 के स्कोर पर ही पाकिस्तान महिला टीम की पूरी पारी को समेट दिया। इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने 27 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और उसके बाद लगातार अंतराल में विकेट गिरने का सिलसिला देखने को मिला जिसके पीछे सबसे बड़ी भूमिका टीम इंडिया की युवा स्पिन गेंदबाज श्री चरणी की रही जिन्होंने सिर्फ 7 रन देते हुए तीन विकट हासिल किए। श्री चरणी को जहां उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला तो वहीं उन्होंने मुकाबला खत्म होने के बाद पाकिस्तान की टीम को सस्ते में निपटाने के पीछे की रणनीति का भी खुलासा किया। श्री चरणी ने मुकाबले के बाद दिए अपने बयान में रणनीति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि हम टीम मीटिंग में हम सभी स्पिन गेंदबाज एक साथ बैठते हैं, जिसमें मैं, प्रेमा रावत, दीप्ति शर्मा और राधा यादव शामिल हैं।

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेश मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रिक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

सात्विक-चिराग ने रच दिया इतिहास, चीन की जोड़ी को हराकर पहली बार जीता चाइना मास्टर्स का खिताब

भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पहली बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। फाइनल मैच में उन्होंने चीन की जोड़ी हे जी तिंग और रेन शियांग यू को 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। पहला सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की और अगले दोनों सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही सात्विक और चिराग ने पिछले दो मौकों पर फाइनल में मिली हार के गम को भी भुला दिया। सात्विक-चिराग ने इससे पहले सेमीफाइनल में मलेशिया की नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग की जोड़ी को हराया था। फाइनल मैच की शुरुआत में चीन की जोड़ी हे जी तिंग और रेन शियांग यू ने बहुत आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सात्विक और चिराग को बिल्कुल मौका नहीं दिया और पहला गेम आसानी से 21-11 से जीत लिया। हालांकि पहला मैच हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने हार नहीं मानी। दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने बेहतरीन तालमेल और समझदारी से खेलते हुए विरोधी टीम पर दबाव बनाया। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे और आखिरी गेम में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अहम मौकों पर भारतीय जोड़ी ने अपना संयम बनाए रखा। सात्विक और चिराग ने मैच के दबाव को बहुत अच्छी तरह संभाला और यह गेम 21-17 से जीत लिया। तीसरा गेम जीतते ही उन्होंने चाइना मास्टर्स की ट्रॉफी भी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग ने 2023 और 2025 के फाइनल में मिली हार के दर्द को पीछे छोड़ते हुए आखिरकार यह खिताब हासिल कर लिया। चाइना मास्टर्स का टूर्नामेंट सात्विक और चिराग के लिए हमेशा से काफी मुश्किल रहा है। इससे पहले भारतीय जोड़ी 2023 और 2025 में भी इसके फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन दोनों बार वे रनर अप रहे थे। इस बार भी फाइनल में उनका मुकाबला चीन की मजबूत स्थानीय टीम से था, लेकिन सात्विक और चिराग ने भारी दबाव के बावजूद शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। चीन की जमीन पर मिली यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

बुखार के बाद गले में इंफेक्शन, खांसी और खराश है, राहत पाने के लिए अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपाय

इन दिनों फैल रहे वायरल इंफेक्शन, स्वाइन फ्लू और मौसम के बदलाव के कारण लोगों को सर्दी, जुकाम और गले में दर्द या संक्रमण की समस्या काफी हो रही है। गले में कुछ चिपचिपा, अटका हुआ, गले में चुभन सी महसूस होती है या खाना खाने में तकलीफ होती है तो ये गले के इन्फेक्शन की निशानी हो सकती है। कई बार लोगों को गले में सूजन हो जाती है, खाना ऊपर की तरफ आने लगता है और लगातार खांसी की शिकायत रहती है। इसे ठीक करने के लिए आयुर्वेद में कुछ असरदार उपाय बताए गए हैं। आशा आयुर्वेद क्लीनिक की डॉक्टर चंचल शर्मा से जानते हैं गले को स्वस्थ कैसे रखें और खांसी को दूर करने के क्या उपाय हैं। केवल गले की जांच से ऐसी परेशानी का पूरा इलाज होना मुश्किल है। इसीलिए ऐसे थ्रोट इन्फेक्शन में नाक से जुड़ी समस्याओं पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। गले को आराम देने वाली जड़ी-बूटियां- चरक संहिता के सूत्र-स्थान (अध्याय 4) में आचार्य चरक ने उन दस बेहतरीन जड़ी-बूटियों का ज़िक्र किया है जो गले की जलन, दर्द और इन्फेक्शन को कम करती हैं और आवाज को साफ़ बनाती हैं। "सारिवाक्षुमूलमधुकद्राक्षाविदारी कैटर्यहंसपादीसूरसाश्वदंष्ट्रा इति दशेमानि कण्ठ्यानि भवन्ति" अर्थ है- सारिवा, ईख की जड़ , मुलेठी , मुनक्का , विदारीकंद, कैटर्य, हंसपदी, तुलसी और गोखुर – ये 10 औषधियां गले के लिए बहुत फायदेमंद हैं। अगर गले में दर्द या इन्फेक्शन हो तो मुलेठी और तुलसी का काढ़ा लिया जा सकता है। इसके सेवन से बहुत ज़्यादा आराम मिलता है। गले की बीमारियों के कारण- सुश्रुत संहिता (निदान स्थान, अध्याय 16) में गले की बीमारियों के शुरू होने के मुख्य कारणों के बारे में बताया गया है। "प्रकुपितास्तु दोषाः कण्ठे कण्ठगतान् रोगान् प्रकुर्वते।" अर्थ है- जब शरीर में वात, पित्त, और कफ दोष असंतुलित हो जाते हैं और गले में जमा हो जाते हैं, तो गले में कई तरह के संक्रमण, टॉन्सिलिटिस और सूजन जैसी बीमारियां पैदा होती हैं। गले के रोगों के लिए सबसे सरल उपचार- अष्टांग हृदय और सुश्रुत संहिता में, 'गंडूष' यानि कुल्ला करना गले के विकारों के लिए सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। "कफघ्नैः कण्ठरोगेषु कवलैः संविशोधयेत्।"

ज्वार का आटा है सेहत के लिए बेहद फायेमंद

ज्वार का आटा सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह सिर्फ ग्लूटेन-फ्री अनाज का विकल्प ही नहीं, बल्कि फाइबर, प्रोटीन, पोटेशियम और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे डाइट में शामिल करने से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है, साथ ही हार्ट हेल्थ भी बेहतर होती है। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और एमबीबीएस, एमडी डॉ. बिमल छाजेर ने अपने यूट्यूब वीडियो में बताया कि ज्वार का सेवन शरीर के लिए किस तरह फायदेमंद हो सकता है और इसे डाइट में शामिल करने का सही तरीका क्या है। डॉक्टर बिमल छाजेर कहते हैं किसी ग्राम ज्वार में लगभग 330 कैलोरी होती है। इसमें करीब 72 ग्राम कार्बो हाइड्रेट्स है, 10-11 ग्राम प्रोटीन है और लगभग 3 ग्राम फैट होता है। वहीं, ज्वार में करीब 6-7 ग्राम फाइबरऔर लगभग 350 मिलीग्राम पोटैशियम पाया जाता है। डॉक्टर बिमल छाजेर कहते हैं कि ज्वार का आटा हार्ट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और शरीर से एक्स्ट्रा सोडियम को बाहर निकालने का काम करता है। ज्वार का आटा हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में लाभकारी है क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है। साथ ही इसमें मौजूद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर, ग्लूकोज अब्सॉर्प्शन को कंट्रोल करने में मददगार है। यह अनाज ग्लूटेन फ्री और फाइबर से भरपूर होने की वजह से डाइजेशन को बेहतर करता है, जिससे कॉन्स्टिपेशन की परेशानी भी दूर होती है। ग्लूटेन फ्री होने की वजह से यह अनाज वजन कम करने में भी मददगार है। ग्लूटेन-फ्री होने की वजह से जो लोग ग्लूटेन सेंसिटिव होते हैं वो लोग इसका सेवन कर सकते हैं।

शरीर में दिखने लगें ये 5 बदलाव तो हो जाएं सावधान, डॉक्टर ने बताया हाई ब्लड शुगर का हो सकता है संकेत

आजकल डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कई बार ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने पर शरीर कुछ ऐसे संकेत देने लगता है, जिन्हें लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लगातार बढ़ा हुआ ब्लड शुगर शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए इसके लक्षणों को समय रहते पहचानना जरूरी है। 5 सितंबर को इंस्टाग्राम पर अमेरिका स्थित एनेस्थिसियोलॉजी और इंटरवेंशनल पेन मेडिसिन के डॉ. कुणाल सूद ने हाई ब्लड शुगर के पांच चेतावनी संकेत शेयर किए हैं।

ज्यादा पेशाब आनाः डॉ. सूद ने बताया कि जब ब्लड ग्लूकोज का स्तर बहुत बढ़ जाता है, तो किडनी फ़िल्टर किए गए सारे ग्लूकोज को वापस सोख नहीं पातीं। उन्होंने कहा, ग्लूकोज पेशाब में मिल जाता है और ऑस्मोटिक डाययूरिसिस के जरिए अपने साथ पानी भी खींचता है, जिससे ज्यादा और बार-बार पेशाब आता है।

ज्यादा प्यास लगनाः पेशाब के जरिए ज्यादा पानी निकल जाने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है और खून गाढ़ा हो जाता है। इसके जवाब में दिमाग प्यास बढ़ाता है, जिससे मुँह लगातार सूखा रह सकता है या पानी पीने के बाद भी पूरी तरह संतुष्टि नहीं मिलती।

नज़र कमजोर होनाः हाइपरग्लाइसेमिया और नज़र की समस्याओं के बीच संबंध बताते हुए डॉ. सूद ने कहा, "ज्यादा ग्लूकोज अस्थायी रूप से आँख के लेंस के पानी के संतुलन और फ़ोकस की क्षमता को बदल सकता है। ग्लूकोज का स्तर घटने-बढ़ने से नजर में उतार-चढ़ाव आ सकता है। लंबे समय तक हाइपरग्लाइसेमिया रहने से रेटिना की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे नज़र और कमज़ोर हो सकती है।

चोट का देर से भरनाः डॉ. सूद ने चेतावनी दी कि लंबे समय तक ग्लूकोज का स्तर ज्यादा रहने से रक्त संचार, इम्यून सेल का काम, कोलेजन का प्रोडक्शन और नई रक्त वाहिकाओं का बनना प्रभावित हो सकता है। डायबिटीज के कारण नसों को नुकसान पहुंचने से चोट का पता चलना मुश्किल हो सकता है, जिससे घाव बिगड़ सकते हैं या बार-बार खुल सकते हैं। यह ऐसा माहौल बना सकता है जो कैंडिडा (एक तरह का फंगस) को पनपने में मदद करता है।

PNB में 444 दिनों की FD पर कितना मिलेगा ब्याज, अधिकतम कितने साल के लिए खुल सकता है खाता

पंजाब नेशनल बैंक फिक्स्ड डिपोजिट (FD) खातों पर बंपर ब्याज दे रहा है। देश का प्रमुख सरकारी बैंक एफडी खातों पर अपने ग्राहकों 3.00 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक में कम-से-कम 7 दिनों की छोटी अवधि के लिए एफडी खाता खुलवाया जा सकता है। इसके अलावा, इस बैंक में अधिकतम 10 सालों की लंबी अवधि के लिए भी एफडी खाता खुलवा सकते हैं। आइए जानते हैं कि पंजाब नेशनल बैंक में 444 दिनों के एफडी खाते पर कितना ब्याज मिल रहा है?

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) 444 दिनों की एफडी स्कीम पर 6.60 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक 444 दिनों की अवधि वाले एफडी खातों पर 59 साल तक के सभी ग्राहकों को 6.60 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। इसके अलावा, ये सरकारी बैंक 60 साल या इससे ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन्स को 444 दिनों की एफडी स्कीम पर 7.10 प्रतिशत का ब्याज ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक 444 दिनों की एफडी स्कीम पर 80 साल या इससे ज्यादा उम्र के सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.40 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। ये ब्याज दरें 3 करोड़ रुपये से कम के डिपॉजिट पर लागू हैं। पंजाब नेशनल बैंक एफडी खातों पर सीनियर सिटीजन्स को सामान्य नागरिकों की तुलना में 0.50 प्रतिशत ज्यादा ब्याज देता है। इसके अलावा, ये सरकारी बैंक सुपर सीनियर सिटीजन्स को एफडी खातों पर सीनियर सिटीजन्स की तुलना में 0.30 प्रतिशत ज्यादा ब्याज देता है। बताते चलें कि सुपर सीनियर सिटीजन्स के मामले में अलग-अलग बैंकों की ब्याज दरें भी अलग-अलग हैं। ग्राहकों की संख्या के आधार पर पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। पंजाब नेशनल बैंक ने आखिरी बार 1 जून, 2026 में ही अपनी एफडी स्कीम की ब्याज दरों में संशोधन किया था। पंजाब नेशनल बैंक के अलावा, देश के बाकी बैंकों द्वारा एफडी खातों पर दी जाने वाली ब्याज दरें, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तय की जाने वाली रेपो रेट पर निर्भर करती हैं।

7 सितंबर को रद्द रहेंगी बिहार की ये 10 ट्रेनें, पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने से बंद किया गया रेल ब्रिज

बिहार में भारी बारिश की वजह से कई जिले प्रभावित हो रहे हैं। राजधानी पटना में पुनपुन नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसकी वजह से रेल ट्रैफिक पर भी बुरा असर पड़ रहा है। पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से पुनपुन और परसा बाजार रेलवे स्टेशन के बीच ब्रिज नंबर-21 पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। ब्रिज नंबर-21 पर ट्रेनों की आवाजाही रोकने की वजह से सोमवार, 7 सितंबर को चलने वाली 10 ट्रेनों को रद्द रहेंगी। भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे जोन ने बताया कि सोमवार को 10 मेमू ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया गया है। ये सभी ट्रेनें पुनपुन और परसा बाजार रेलवे स्टेशन के बीच ब्रिज नंबर-21 से होकर गुजरती हैं। पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण ब्रिज नंबर-21 को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है, जिसकी वजह से इन ट्रेनों को कैंसिल किया जा रहा है। बताते चलें कि ये सेक्शन पटना-गया रेल लाइन पर स्थित है और पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर रेल डिविजन के अधिकार क्षेत्र में आता है। 7 सितंबर को रद्द की जाने वाली ट्रेनों के अलावा, डायवर्ट की जाने वाली ट्रेनों के बारे में बाकी सभी जानकारी के लिए यात्री रेल मदद की हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सकते हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया है। जलस्तर कम होने और पुल की स्थिति सामान्य होने तक इस मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही बहाल नहीं की जाएगी। रेलवे की ओर से नदी के जलस्तर और पुल की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

FPIs ने सितंबर में अब तक ₹7,443 करोड़ के शेयर बेचे

भारतीय शेयर बाजार में लगातार 2 महीने की खरीदारी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) सितंबर के पहले सप्ताह में एक बार फिर बिकवाल बन गए हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार से 7,443 करोड़ रुपये के शेयर बेचकर पैसे निकाले हैं। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और डॉलर के मजबूत होने से विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (NSDL) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इससे पहले अगस्त में भारतीय शेयरों में 29,600 करोड़ रुपये और जुलाई में 20,200 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे पहले मार्च से जून तक लगातार 4 महीनों में विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल रहे थे। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह की निकासी के साथ ही 2026 में भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई है। ये आंकड़ा पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी काफी ज्यादा है। येस सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी राजकुमार राठी ने कहा कि हाल में एफपीआई की बिकवाली के पीछे कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी प्रमुख कारक में से एक है। इससे भारत में महंगाई और चालू खाते की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ी है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतें तय करेंगी बाजार की दिशा, जानें क्या बोले एक्सपर्ट्स

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिका के महंगाई के आंकड़े इस हफ्ते स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और ग्लोबल मार्केट का ट्रेंड भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) अजित मिश्रा ने कहा, "इस सप्ताह बाजार वैश्विक मैक्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी।" घरेलू मोर्चे पर विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और घरेलू बाजार में नकदी की स्थिति पर नजर रहेगी। अजित मिश्रा ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़े घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण रहेंगे, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा कि पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमत में 8 प्रतिशत से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई क्रूड में 9 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई थी। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ा दिया है। अब बाजार की नजर अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़ों पर होगी।

दिल्ली और चेन्नई के बाद अब गुवाहाटी जाएगी कांदा एक्सप्रेस

सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए रियायती दर पर प्याज की बिक्री शुरू की थी। सरकार ने बिक्री शुरू करने के शुरुआती 10 दिनों में देश के 17 अलग-अलग शहरों में करीब 4000 टन बफर प्याज बेचा है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने रविवार को ये जानकारी दी। केंद्र सरकार के पास 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (NCCF) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (NAFED) के जरिए 1.21 लाख टन प्याज का बफर भंडार है। ये एजेंसियां कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए उत्पादक राज्यों से भंडारित प्याज को थोक में खपत वाले केंद्रों तक पहुंचा रही हैं। इसके लिए समर्पित रेल रैक 'कांदा एक्सप्रेस' और ट्रक का इस्तेमाल किया जा रहा है। चुनिंदा मूल्य-संवेदनशील शहरों में प्याज 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जा रहा है। खरे ने कहा, ''अबतक 17 शहरों में करीब 4000 टन बफर प्याज बेचा जा चुका है।'' उन्होंने कहा कि 'कांदा एक्सप्रेस' के जरिए दिल्ली और चेन्नई में प्याज की खेप पहुंच चुकी है। तीसरी खेप अब लादी जा रही है, जिसे आने वाले दिनों में गुवाहाटी भेजा जाएगा।

रूस में भी तेजी से बढ़ रही भारतीय ईंधन की मांग

रूस से डीजल की सप्लाई में भारी गिरावट और अमेरिका से यूरोप जाने वाली ईंधन की खेप में कमी के बीच यूरोप के लिए भारत डीजल के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभरा है। ऊर्जा और माल ढुलाई क्षेत्र के तत्काल आधार पर आंकड़े उपलब्ध कराने वाली कंपनी वॉर्टेक्सा के अनुसार, अगस्त में बाब-अल-मंदेब से यूरोप की ओर जाने वाले डीजल में करीब 60 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत की रही। आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में रोजाना करीब 2 लाख बैरल डीजल बाब-अल-मंदेब से होकर यूरोप भेजा गया। ये मात्रा एक साल पहले के स्तर के करीब है, जबकि मार्च और अप्रैल में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से डीजल की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी। भारत की रिफाइनरी यूनिट्स अब यूरोप की डीजल सप्लाई में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल रिफाइन करने वाला देश है। भारत की स्थापित रिफाइनिंग क्षमता सालाना 25.81 करोड़ टन है, जो घरेलू ईंधन मांग से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 6.15 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया था और वो दुनिया के प्रमुख रिफाइन्ड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातकों में शामिल है। भारतीय ईंधन की मांग अब यूरोप के साथ-साथ रूस में भी बढ़ रही है।

AK-203 राइफल के लिए गोला-बारूद बनाएगा अडाणी डिफेंस

अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 5 साल के लिए समझौता किया है। ये समझौता भारत में बनाई जा रही AK-203 राइफल के लिए देश में उत्पादित 7.62x39 मिमी गोला-बारूद की आपूर्ति के लिए किया गया है। इस समझौते से भारत-रूस राइफल कार्यक्रम के लिए देश में ही एक इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन तैयार होगी। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के अनुसार, इस समझौते के तहत अडाणी डिफेंस 5 साल तक AK-203 कार्यक्रम के लिए आवश्यक छोटे हथियारों के गोला-बारूद की सप्लाई करेगी। इससे इस कार्यक्रम के लिए भारत में ही गोला-बारूद की सप्लाई का स्रोत उपलब्ध होगा और कॉन्ट्रैक्ट की अवधि के दौरान इसकी उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। ये समझौता AK-203 प्रोग्राम के तहत राइफल मैन्युफैक्चरिंग और गोला-बारूद उत्पादन को एक साथ जोड़ता है। इंडो-रशियन राइफल्स (IRRPL) राइफल की मैन्युफैक्चरिंग कर रही है, जबकि अडाणी डिफेंस गोला-बारूद का उत्पादन करेगी। इंडो-रशियन राइफल्स की स्थापना भारत-रूस अंतर-सरकारी (Inter-Governmental) समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए AK-203 राइफल की मैन्युफैक्चरिंग के उद्देश्य से 2019 में की गई थी। इसका मैन्युफैक्चरिंग प्लांट उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा में स्थित है। इस जॉइंट वेंचर में भारतीय शेयरहोल्डर- एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड हैं, जबकि रूस के शेयरहोल्डर कंसर्न कलाशनिकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट हैं। रक्षा मंत्रालय ने इंडो-रशियन राइफल्स को AK-203 राइफल के स्वदेशी उत्पादन के लिए जिम्मेदार जॉइंट वेंचर के रूप में चुना है। सरकार ने दिसंबर 2021 में कंपनी के साथ 6,01,427 AK-203 राइफल की मैन्युफैक्चरिंग के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया था। इन राइफल की मैन्युफैक्चरिंग कोरवा स्थित प्लांट में किया जाना है। अडाणी डिफेंस ने भारत में छोटे गोला-बारूद के निर्माण की क्षमता विकसित की है। कंपनी का कानपुर में भी एक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। हाल ही में, 'शेर' नाम की पहली 100% स्वदेशी AK-203 राइफल को सफलतापूर्वक तैयार किया गया और उसका टेस्ट-फायर किया गया था। IRRPL के CEO और MD, मेजर जनरल एस. के. शर्मा ने हाल ही में कहा कि ये IRRPL में हम सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमने 100% भारतीय पुर्जों और मटीरियल से बनी पहली AK-203 (शेर) राइफल को सफलतापूर्वक बनाया और फायर किया है।

सिगरेट न देने पर छीनी जिंदगी, नशे में धुत 4 युवकों ने 62 वर्षीय मजदूर को पीट-पीटकर मार डाला

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। नोलांबुर इलाके में मामूली विवाद के बाद 62 वर्षीय प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि नशे में धुत 4 युवकों ने सिगरेट देने से इनकार करने पर मजदूर पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पश्चिम बंगाल निवासी एन. अभिजीत मंडल नोलांबुर के गजलक्ष्मी नगर स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते थे। शनिवार रात करीब 10:15 बजे इलाके के चार युवक उनके पास पहुंचे और उनसे सिगरेट मांगी। मंडल ने सिगरेट देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर उनके और युवकों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद चारों युवकों ने जमीन से लकड़ी का डंडा उठाया और मंडल पर हमला कर दिया। लकड़ी डंडे के साथ ही पास में खड़ी साइकिल पर भी उनके पर पटक दी गई। इसके बाद भी चारों उन्हें बेरहमी से पीटते रहे। बर्बरता पूर्वक हमले में मंडल के सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए सरकारी किलपॉक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन रविवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना के बाद नोलांबुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वी. वसीगरन (18), आर. अजय (18), एस. गोकुल राज (18) और आर. सबरी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी घटना के समय नशे में थे। मामूली विवाद के बाद उन्होंने मजदूर पर हमला किया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की टीम कानूनी कार्रवाई कर सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगी। पुलिस जांच में घटना

से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ के साथ घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि विवाद की पूरी वजह और हमले के क्रम को स्पष्ट किया जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय वहां और कौन-कौन लोग मौजूद थे। घटना के बाद इलाके में भी चर्चा का माहौल है। एक मामूली विवाद के हिंसक रूप लेने और एक बुजुर्ग मजदूर की जान चले जाने से स्थानीय लोगों में चिंता है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच के दौरान घटनास्थल से जुड़े संभावित साक्ष्यों को भी जुटाया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान मामले की जांच में अहम हो सकते हैं। पुलिस हमले में इस्तेमाल किए गए सामान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है। वहीं, मंडल की मौत के बाद उनके परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। प्रवासी मजदूर के रूप में चेन्नई में काम कर रहे मंडल की इस तरह मौत होने से उनके जानने वालों में भी आक्रोश है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मारा गया लश्कर कमांडर

कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। खतरनाक LeT (लश्कर-ए-तैयबा) आतंकी ग्रुप के चार में से तीसरे आतंकी को मार गिराया गया है। जम्मू-कश्मीर में युसमार्ग की पहाड़ियों में 'अशदार ऑपरेशन' के दौरान मारे गए आतंकी की पहचान पाकिस्तानी LeT कैडर यासिर उर्फ अबू तलहा के तौर पर हुई है। सुरक्षा बलों के सूत्रों ने बताया कि यासिर LeT के उस खतरनाक आतंकी ग्रुप का हिस्सा था, जिसके चार सदस्य 2023 की शुरुआत से ही जम्मू-कश्मीर में सक्रिय थे। इस चार लोगों के ग्रुप में तीन पाकिस्तानी और एक स्थानीय आतंकी शामिल था। इनमें से दो आतंकी पहले ही मारे जा चुके थे, यासिर ग्रुप का तीसरा खतरनाक आतंकी है जिसे मार गिराया गया है, और चौथे की तलाश अभी भी जारी है। माना जाता है कि LeT का तीसरा आतंकी यासिर, ग्रुप के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों की योजना बनाने या उनमें सीधे तौर पर शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, वह 21 दिसंबर 2023 को डेरा की गली में सेना के वाहनों पर हुए हमले में शामिल था, जिसमें भारतीय सेना के चार जवान शहीद हो गए थे और तीन अन्य घायल हुए थे।

प्यार का खौफनाक अंत, साथ भागने से इनकार पर प्रेमी ने प्रेमिका और उसकी मां को मारी गोली

बिहार के शिवहर में घर में घुसकर प्रेमिका और उसकी मां को गोली मारने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के लालगढ़ गांव में हुई इस वारदात के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले में की गई कार्रवाई और जांच से जुड़ी जानकारी साझा की। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए उनके निर्देश पर अनु मंडल पुलिस पदाधिकारी अनुशील कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने मानवीय सूचना के साथ तकनीकी व वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी ने मुताबिक, छह सितंबर की रात लालगढ़ निवासी बालिका अपनी मां और बड़ी बहन के साथ एक कमरे में सो रही थी। रात करीब 11 बजे कुछ लोग घर में घुसे और युवती उनके साथ चलने को कहा, युवती के इनकार करने पर आरोपियों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में युवती और उसकी मां घायल हो गईं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में पीड़िता के बयान के आधार पर छह नामजद और पांच-छह अज्ञात आरोपियों के खिलाफ श्यामपुर भटहां थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच के दौरान घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। पुलिस ने अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी तेज कर दी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रिंस कुमार उर्फ पप्पू सिंह, सुधीर सिंह, पप्पू सिंह और अविनाश सिंह उर्फ टकला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपित लालगढ़ जोगिया गांव के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल का निरीक्षण कराया और एफएसएल और डीआईयू की टीम ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष जुटाए। एसआईटी की लगातार कार्रवाई और साक्ष के आधार पर आरोपीतों तक पहुंच बनाई गई। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से मामले के उद्भेदन में महत्वपूर्ण सफलता मिली। वही गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस के मुताबिक, मामले में जुटाए गए वैज्ञानिक साक्ष्यों और आरोपियों की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात की योजना कैसे बनाई गई और घटना में शामिल सभी लोगों की क्या भूमिका थी। पुलिस ने कहा है कि किसी भी आरोपी को जांच पूरी होने से पहले निर्दोष या दोषी नहीं माना जा सकता। घटना के बाद गांव में भी तनाव और चिंता का माहौल है। घर में घुसकर गोलीबारी किए जाने से स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस ने इलाके में निगरानी बढ़ाते हुए संभावित विवाद और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखनी शुरू कर दी है।

फर्जी वीडियो शेयर करके राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पर निशाना साधकर बुरे फंसे अभिजीत दीपके, अब दे रहे सफाई

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके अब एक फर्जी वीडियो को लेकर विवादों में घिर गए हैं। अभिजीत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अपनी टिप्पणियों के साथ एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो को राम मंदिर के नवनियुक्त सीईओ रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का बताया था। इस वीडियो में दिख रहा शख्स एक गाने पर डांस कर रहा था। बाद में जब पता चला कि यह जितेंद्र मिश्रा का वीडियो नहीं है, तब अभिजीत दीपके ने इस वीडियो को लेकर सफाई दी है। पहली पोस्ट में दीपके ने व्यक्तिगत जीवन को लेकर टिप्पणी करते हुए धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह किए जाने पर सवाल उठाया था। वीडियो की पहचान गलत होने की बात सामने आने के बाद उन्होंने अपने रख को स्पष्ट किया। दीपके ने लिखा कि कोई अपनी पर्सनल लाइफ में क्या करता है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं बस ये सोचता हूं कि अगर यह व्यक्ति राम मंदिर ट्रस्ट का CEO नहीं होता तो 'धर्म के ठेकेदार' का क्या रिएक्शन होता। इसलिए हम कहते हैं: किसी को भी अपने धर्म का इस्तेमाल करके आपको बेवकूफ न बनाने दें। दूसरी पोस्ट में अभिजीत दीपके ने लिखा, मुझे बताया गया है कि इस वीडियो में जो व्यक्ति है, वह जितेंद्र मिश्रा नहीं है। हालांकि, जैसा कि मैंने पहले कहा, कोई अपनी पर्सनल लाइफ में क्या करता है, यह पूरी तरह से उसका अपना मामला है।

दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए बिल्डिंग हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 6 हुई

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए बिल्डिंग हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ गई है। अब तक इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बिल्डिंग गिरने के बाद धूल का गुबार उठता दिख रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, अब तक 11 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। जिन लोगों के फंसे होने की आशंका है, उन्हें खोजने की कोशिशें जारी हैं। एक और बड़ी खबर ये है कि MCD ने उसी गली में जर्जर हालत वाली इमारतों को नोटिस जारी किया, जहां एक इमारत ढह गई थी। दिल्ली नगर निगम (MCD) के अनुसार, गिरी हुई इमारत की पहचान P-14, सत्य निकेतन के तौर पर की गई है। यह एक पुनर्वास कॉलोनी का हिस्सा है और इसका क्षेत्रफल लगभग 55 वर्ग गज है। इस प्रॉपर्टी में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और चौथी मंजिल तक के फ्लोर हैं। बताया जाता है कि यह इमारत 1990 के दशक में बनी थी। MCD का कहना है कि इस प्रॉपर्टी की बुकिंग या सीलिंग का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि प्रॉपर्टी पर किए गए किसी भी काम के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली थी। घटना को लेकर बीती शाम ही दिल्ली के मेयर प्रवेश वाही का बयान सामने आया था। मेयर ने कहा था, "सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। चार मंजिल से अधिक वाले सभी अवैध निर्माणों को तत्काल सील किया जाएगा और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल बर्खास्त किया जाएगा। ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएंगे।" मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, भवन मालिक के खिलाफ FIR दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस गंभीर घटना के लिए जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसकी पूरी जवाबदेही तय की जाएगी और उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान को तेज कर दिया गया है। घटनास्थल पर बचाव दल मलबे को सावधानीपूर्वक हटाकर संभावित रूप से फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं।

कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने दलित, पिछड़े समुदाय, अल्पसंख्यकों के लिए मांगा 75% आरक्षण

उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर समान अवसर मिले बिना बराबरी वाला समाज नहीं बनाया जा सकता।

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जाति जनगणना लागू करने और दलितों, पिछड़े समुदायों और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर समान अवसर मिले बिना बराबरी वाला समाज नहीं बनाया जा सकता। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग महासंघ के सिल्वर जुबली समारोह में बोलते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर समुदाय की आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब सभी को उनकी जाति और आबादी के हिसाब से आरक्षण मिलेगा, तभी एक बराबरी वाला समाज बन पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक बराबरी पाने के लिए लोकसभा और विधानसभा में भी जाति और आबादी के आधार पर ऐसा ही आरक्षण जरूरी है। सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पिछले कार्यकाल में हुए जाति सर्वे को लागू किया जाना चाहिए। वे मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद छोड़ने से पहले ही उन्होंने यह रिपोर्ट स्वीकार कर ली थी। सिद्धारमैया ने कहा कि अभी कोर्ट के आदेश की वजह से इस रिपोर्ट को लागू करने या सार्वजनिक करने से रोका गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह बात फेडरेशन के अध्यक्ष रामचंद्रप्पा तक पहुंचा दी है। सिद्धारमैया ने कहा कि यह सर्वे जरूरी था क्योंकि पिछड़े समुदायों की आबादी के बारे में कोई सही आंकड़े नहीं थे। उन्होंने याद दिलाया कि 2013 में मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने सर्वे का आदेश दिया था, लेकिन उनके कार्यकाल में रिपोर्ट पूरी नहीं हो पाई थी। सिद्धारमैया ने कहा कि जाति व्यवस्था के ख़िलाफ़ संघर्ष तब तक जारी रहना चाहिए जब तक बराबरी और समान अवसर न मिल जाएं। उन्होंने कहा, "जब तक समाज में जाति व्यवस्था है, जब तक बराबरी वाला समाज नहीं बनता और जब तक सभी को समान अवसर नहीं मिलते, तब तक संघर्ष जारी रहना चाहिए।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से जाति व्यवस्था ने समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा और अवसरों से वंचित रखा है। सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने खुद आरक्षण न होने का अनुभव किया है और दावा किया कि शिक्षा और रोजगार में आरक्षण से पिछड़े समुदायों के लिए अवसर बढ़े हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। उनके मुताबिक, आबादी से जुड़े सही आंकड़े उपलब्ध होने पर सरकारें विभिन्न समुदायों की वास्तविक स्थिति को बेहतर तरीके से समझ सकती हैं और उसी आधार पर योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार में अवसरों की समान पहुंच सामाजिक बदलाव का महत्वपूर्ण आधार है। पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों को मुख्यधारा में लाने के लिए सरकारी योजनाओं और आरक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाए जाने की जरूरत है।

हापुड़ गोलीकांड में दीपक की मौत के बाद मेरठ में बवाल, शव को लेकर सड़क जाम

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के बदनौली गांव में शुक्रवार को हुए विवाद और गोलीकांड में घायल दीपक की रविवार को मेरठ के लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। दीपक की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद शव को गांव ले जाने के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। सड़क पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। बताया जा रहा है कि परिजन और ग्रामीण दीपक का शव हापुड़ के आंबेडकर चौक ले जाना चाहते थे, जबकि पुलिस शव को सीधे बदनौली गांव ले जाने के लिए कह रही थी। पुलिस द्वारा रूट बदलने की कोशिश से ग्रामीण नाराज हो गए और उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने मेरठ-बिजली बंबा बाईपास पर जाम लगा दिया। सड़क पर बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से यातायात प्रभावित हो गया। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक नोकझोंक होती रही और माहौल तनावपूर्ण बना रहा। वहीं, कुछ लोग पुलिसकर्मियों के पैर छूते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक पुलिसकर्मी लोगों से ऐसा न करने और हंगामा बंद करने की बात कहता नजर आ रहा है।

"सबको मिले समान डिजिटल एक्सेस, सुरक्षा और अवसर", उज्बेकिस्तान में 12वें IPU सम्मेलन में बोले राघव चड्ढा

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उज्बेकिस्तान में आयोजित 12वें आईपीयू सम्मेलन में 'डिजिटल युग में डिजिटल पहुंच और अधिकार' विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि एक अरब से ज्यादा लोगों ने डिजिटल रूप से जुड़े होने और यूपीआई के जरिए तत्काल भुगतान के रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनने से भारत ने दिखाया है कि डिजिटल स्तर पर बड़े पैमाने का विस्तार और समावेशन साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो बिना किसी को बाहर किए लोगों को जोड़े, बिना शोषण के नवाचार करे और बिना नियंत्रण के सुरक्षा प्रदान करे। राघव चड्ढा ने कहा कि इस दौर की असली परीक्षा यह नहीं है कि हमारी मशीनें कितनी स्मार्ट हो गई हैं। असली परीक्षा यह है कि क्या सबसे गरीब जिले में सबसे सस्ता फोन इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति को भी वही एक्सेस, सुरक्षा और अवसर मिलते हैं, जो बाकी सभी को मिलते हैं। बता दें कि राघव चड्ढा को 12वें इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन (IPU) ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ यंग पार्लियामेंटेरियन्स में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था। यह सम्मेलन 4 से 6 सितंबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित किया जा रहा है। इस वैश्विक मंच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बीजेपी सांसद ने बताया कि 1889 में स्थापित और जिनेवा में मुख्यालय वाला IPU दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी राष्ट्रीय संसदों की संस्था है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415